मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 151
शनिवार, 13 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जनगणना पर मोदी सरकार का बड़ा कदम, 11718 करोड़ का बजट मंजूर

दो चरणों में क्रियान्वयन अप्रैल 2026 से शुरू होगा

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। ऐतिहासिक फैसले में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये के भारी भरकम आवंटन को मंजूरी दे दी है, जो भारत की मूलभूत डेटा-संग्रह प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह महत्वपूर्ण निवेश देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना को शक्ति प्रदान करेगा, जिससे सदियों पुरानी कागजी प्रक्रिया को सुगम मोबाइल और वेब-आधारित प्रक्रियाओं में परिवर्तित किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मंजूरी की घोषणा करते हुए बताया कि कैसे यह देश को तीव्र शहरीकरण और तकनीकी बदलावों के बीच सटीक जनसांख्यिकीय जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। यह निधि ऐप विकास से लेकर राष्ट्रव्यापी डिजिटल बुनियादी ढांचे तक सब कुछ कवर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत का कोई भी कोना पीछे न छूटे।

अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी - अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार करना और फरवरी 2027 में जनसंख्या की गणना करना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में खुलासा किया कि जनगणना 2027 में पारंपरिक तरीकों को छोड़कर अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। जनगणना कर्मी जमीनी स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करेंगे, जबकि उत्तरदाता एक उपयोगकर्ता-अनुकूल वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना करने में सक्षम होंगे। एक केंद्रीय समर्पित पोर्टल संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करेगा, जिससे वास्तविक समय में निगरानी और गुणवत्ता जांच संभव हो सकेगी। राय ने इस बात पर जोर दिया कि यह हाइब्रिड दृष्टिकोण–क्षेत्रीय दौरों और ऑनलाइन विकल्पों का मिश्रण–प्रक्रिया को समावेशी, कुशल और पिछली जनगणनाओं में व्याप्त त्रुटियों की संभावना को कम करता है। भारत के विशाल भूगोल को ध्यान में रखते हुए जनगणना दो सुनियोजित चरणों में की जा रही है। पहला चरण, मकानों की सूची और आवास जनगणना, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच शुरू होगा और लचीलेपन के लिए प्रत्येक राज्य में मात्र 30 दिनों में पूरा हो जाएगा। दूसरा चरण, जनसंख्या गणना, फरवरी 2027 में होगा, जिसका संदर्भ समय 1 मार्च 2027 को 12:00 बजे माना जाएगा। हिमपात वाले क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान लागू हैं: लद्दाख, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्से, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए जनगणना सितंबर 2026 में होगी, जिसका संदर्भ समय 1 अक्टूबर होगा। यह चरणबद्ध समयसीमा दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी सटीकता सुनिश्चित करती है।

आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 22 घायल

आंध्र प्रदेश, 12 दिसम्बर। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई। बरदार ने बताया, घाट रोड सड़क से बस के नीचे गिर जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। बस पूरी तरह से घाटी में नहीं गिरी। बस पलट गई... और वहीं फंस गई।

उन्होंने कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है। अधिकारी के अनुसार, संभवतः घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम थाना क्षेत्र में पड़ता है। बरदार ने कहा कि बस यात्री चित्तूर से तेलंगाना के भद्राचलम में श्री राम मंदिर जा रहे थे।

अमृतसर में हाई अलर्ट, 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर, 12 दिसम्बर। पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके चलते छात्रों को स्कूलों से बाहर निकाला गया और अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी। जिला प्रशासन ने अमृतसर के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया, क्योंकि अभिभावक अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूलों की ओर दौड़ पड़े। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने एक बयान में कहा कि शहर और ग्रामीण इलाकों के कुछ स्कूलों को संदिग्ध ईमेल मिले हैं।

प्रत्येक स्कूल में एक राजपत्रित अधिकारी तैनात किया गया है और तोड़फोड़ रोधी जांच जारी है। साइबर पुलिस स्टेशन ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, अमृतसर पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि स्कूलों को मिली बम की धमकियां झूठी थीं और मामले की जांच जारी है।

भुल्लर ने कहा कि अमृतसर जिले के आसपास के ग्रामीण इलाकों में कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं। सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और परिसरों को सुरक्षित कर लिया गया... धमकियां झूठी निकलीं... जांच जारी है।

इस बीच, एडीसीपी-2, सिरिवेन्नेला ने बताया कि अधिकारियों ने तोड़फोड़ रोधी जांच की है और चिंता की कोई बात नहीं है। दस से बारह स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं। हमने सभी स्कूलों में तोड़फोड़ रोधी जांच की है। चिंता की कोई बात नहीं है; यह सिर्फ एक झूठी कॉल थी। हम पता लगा रहे हैं कि ये ईमेल किसने भेजे हैं।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ दिन पहले लक्ष्मी नगर स्थित दिल्ली के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके चलते स्कूल को खाली कराया गया। यह धमकी सुबह करीब 10:40 बजे फोन पर मिली, जिसमें दावा किया गया था कि लवली पब्लिक स्कूल के अंदर एक विस्फोटक उपकरण लगाया गया है। सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस, अग्निशमन विभाग और अन्य आपातकालीन एजेंसियों को दी गई। इसके जवाब में कई अग्निशमन गाड़ियां, बम निरोधक दस्ते, खोजी कुत्ते और पुलिस दल मौके पर भेजे गए। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को स्कूल से बाहर निकाल लिया गया और परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया।

मुख्यमंत्री नायडू ने अभिनेता रजनीकांत को जन्मदिन की बधाई दी

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को दिग्गज अभिनेता रजनीकांत को उनके 75वें जन्मदिन की बधाई दीं। उन्होंने रजनीकांत के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की कामना भी की। रजनीकांत शुक्रवार को 75 साल के हो गए।

नायडू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अभिनेता के साथ की एक तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट में कहा, मेरे प्रिय मित्र और दिग्गज अभिनेता रजनीकांत को जन्मदिन की बधाई। कुछ चुनिंदा लोग ही हैं जो पर्दे पर और पर्दे से बाहर, दोनों जगह नायक की तरह अपनी चमक बिखेरते हैं और वे उनमें से सबसे महान हैं। उनके दीघार्यु और खुशहाल जीवन की कामना करता हूं। उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई।

कोई भी जबरन वक्फ संपत्तियों पर कब्जा नहीं कर सकता : ममता बनर्जी

कोलकता, 12 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ संपत्तियों को मौजूदा नियमों के तहत सख्ती से संरक्षित किया जाएगा और कोई भी उन्हें जबरन अधिग्रहित नहीं कर सकता है।

नदिया के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए कई कल्याणकारी उपाय किए हैं, जिनमें 10,000 कब्रिस्तानों का निर्माण और ओबीसी आरक्षण लाभों का विस्तार शामिल है।

उन्होंने कहा, हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ संपत्ति में नियमों का पालन होगा। अब मुतवल्ली (मस्जिद के न्यासी) इसका पालन करेंगे। हम किसी को भी वक्फ संपत्ति हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे।

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि चुनाव में मुस्लिम समुदाय से भारी समर्थन हासिल करने के बावजूद मुख्यमंत्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है। उन्होंने दावा किया, जिसे 2021 में 92 प्रतिशत और 2024 में 91 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले थे, उसने अब वक्फ के मुद्दे पर समुदाय को गड्ढे में धकेल दिया है।अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने वक्फ की कई एकड़ जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है, यही वजह है कि सरकार केंद्र के उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति के आंकड़े अपलोड करने की प्रक्रिया में देरी कर रही है।

उन्होंने कहा कि जहां अन्य राज्यों ने वक्फ संपत्ति के विवरण तुरंत अपलोड कर दिए हैं, वहीं पश्चिम बंगाल सरकार की उदासीनता के कारण लगभग 80,000 संपत्तियां लंबित पड़ी हैं।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा 27 अक्टूबर, 18 नवंबर और चार दिसंबर को तीन पत्र भेजे गए थे। इसके बाद ही मुख्यमंत्री के सचिव पी.बी. सलीम जागे और उन्होंने जिला मजिस्ट्रेटों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा कि मुख्यमंत्री के बयान ने टीएमसी के दोहरे मापदंड को उजागर किया है। कबीर ने कहा, पहले उन्होंने कहा था कि वे वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं करेंगी, लेकिन फिर उनकी सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया। और अब वे जनता को गुमराह करने के लिए फिर से भ्रामक बयान दे रही हैं। टीएमसी सिर्फ वोटों के लिए इस समुदाय का इस्तेमाल कर रही है।

निर्वाचन आयोग ने राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के साथ चुनाव पूर्व समन्वय बैठक की

कोलकता, 12 दिसम्बर। निर्वाचन आयोग ने कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की ताकि चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन किया जा सके और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जमीनी स्थिति की समीक्षा की जा सके। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि बैठक में राज्य और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और आरपीएफ के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता जोन के विशेष निदेशक भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा, बैठक मुख्य रूप से चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन करने के लिए बुलाई गई थी।

बैठक के दौरान सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल ने विभिन्न विभागों से आवश्यक जानकारी और स्थिति रिपोर्ट एकत्रित की। अधिकारी ने पीटीआई को बताया, आज की बैठक चुनाव से पहले की एक नियमित समन्वय प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) के लागू होने से पहले विभिन्न क्षेत्रों में जमीनी स्थितियों की समीक्षा करना है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

चमोली में कार खाई में गिरी, दो महिलाओं समेत तीन की मौत

चमोली। उत्तराखंड में चमोली जिले के देवाल क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार दो महिलाओं समेत तीन व्यक्तियों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि देवाल-सुयालकोट मोटर मार्ग पर मोपाटा गांव के पास शाम को हुई इस दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल भी हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए देवाल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार, हादसे के वक्त कार में पांच व्यक्ति सवार थे जो मोपाटा गांव में एक विवाह समारोह में हिस्सा लेकर अपने गांव चौड़ लौट रहे थे। कार के अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता हुआ बचपन

-ललित गर्ग

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पदार्फाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को बचपन जीने का अधिकार लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुमार्ना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों

में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरूआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, लाइक-फॉलोअर जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से।

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे रील्स और शॉर्ट वीडियोज एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले ह्यइन्फ्लुएंसरह्ल, फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और वह भी तुरंत।

भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में ढल गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की वह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी ह्यमांगह्ल समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है। यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन को बचाइए-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

जब इलाज भी बाजार बन जाए: भारत में स्वास्थ्य अधिकार की लड़ाई

- डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा और ढांचा तेजी से बदल रहा है। चिकित्सा उपचार, जो कभी सार्वजनिक दायित्व और कल्याणकारी राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी माना जाता था, अब अधिकाधिक निजी क्षेत्र के हाथों में जाता दिख रहा है। एक ओर, सरकारी स्वास्थ्य ढांचा सीमित बजट, कम मानव संसाधन और कमजोर बुनियादी ढांचे से जूझता रहता है; दूसरी ओर, निजी अस्पतालों और कॉर्पोरेट मेडिकल चेन की पहुंच और प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इन दोनों के बीच आम नागरिक, विशेषकर गरीब, ग्रामीण, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और हाशिए पर रहने वाले समुदाय, स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत और असमान पहुंच के बोझ तले दबते जा रहे हैं।

इसी बदलते परिदृश्य में, भारत में यह बहस और तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को एक न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जाए। क्या न्यायपालिका इस अधिकार को ल्लिाङ्कशूी करा सकेगी, जब व्यवस्था ही बुनियादी रूप से असमान, महंगी और निजीकरण-प्रधान हो चुकी हो? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं है; यह गहराई से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक है। क्योंकि अधिकार तभी सार्थक होता है जब राज्य उसे प्रदान करने की सामर्थ्य और इच्छा दोनों रखता हो। भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से एक स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि राज्य अभी तक ऐसी बाध्यकारी जिम्मेदारी स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है जिसमें हर नागरिक को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक इसे एक इंफोर्सेअब्ले राइट नहीं बनाया जाएगा, तब तक असमानता, शोषण और मनमानी शुल्क वसूली जैसे मुद्दे निरंतर बढ़ते रहेंगे। भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है। जब राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं देता, तब स्वाभाविक रूप से रिक्त स्थान निजी क्षेत्र भरता है—और यही से उत्पन्न होती है असमानता, अनियंत्रित शुल्क, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ, और आम व्यक्ति की आर्थिक तबाही।

निजीकरण के विस्तार का दूसरा पहलू यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन तक सीमित नहीं है, यह स्वास्थ्य नीति, दवाओं की कीमतों, बीमा योजनाओं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) की दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। जब स्वास्थ्य एक लाभ आधारित उद्योग बन जाता है, तब उपचार की प्रकृति, लागत, पहुंच और गुणवत्ता सभी बाजार के नियमों के अधीन हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो हो सकता है, पर धरातल पर वह व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाता।

एक और गंभीर समस्या है क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 2010 का कमजोर क्रियान्वयन। जिन राज्यों में यह लागू भी है, वहाँ भी नियमन और पारदर्शिता बेहद कमजोर हैं। मरीजों से मनमाना शुल्क, अनावश्यक जाँचों की सलाह, महंगे पैकेज, और अत्यधिक दरों पर सर्जरी जैसे मुद्दे आम बात हो चुके हैं। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब मरीज की ओर से शिकायत या न्याय पाने की व्यवस्था बेहद कमजोर और अप्रभावी हो।

इसके साथ ही, भारत में आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर अभी भी कुल स्वास्थ्य व्यय का 40% के आसपास है। यानी मरीजों को अपनी जेब से भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। सरकारी बीमा योजनाओं—जैसे आयुष्मान—का उद्देश्य भले ही आर्थिक सुरक्षा देना हो, पर इनके दायरे में आने वाली प्रक्रियाएँ सीमित हैं, और निजी अस्पतालों द्वारा इनका उपयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जाता है। बीमा आधारित मॉडल ने स्वास्थ्य खर्च की जड़ समस्या को हल नहीं किया है; बल्कि कई बार यह निजी क्षेत्र के लिए नया ग्राहक-स्रोत बन गया है। असमानता का एक और स्तर सामाजिक बहिष्कार है। दलित, आदिवासी, मुस्लिम, महिलाएँ, ट्रांसजेंडर व्यक्ति, दिव्यांग नागरिक—इनके लिए स्वास्थ्य सेवाएँ पाने की राह और भी कठिन है। कई बार सरकारी अस्पतालों में संवेदनशीलता की कमी, भेदभाव, संचार अंतर, या संरचनात्मक बाधाएँ उन्हें गुणवत्तापूर्ण सेवा से वंचित रखती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का अधिकार केवल कानूनी भाषा भर नहीं रहना चाहिए; इसे सामाजिक न्याय की दृष्टि से समझना होगा।

स्वास्थ्य अधिकार को न्यायिक रूप से लागू करना तभी संभव है जब स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत हो। इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य पर GDP का कम से कम 5% खर्च होना चाहिए; जबकि भारत अभी 2% से भी कम खर्च करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किए बिना, विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ाए बिना, दवाओं और जांचों को सस्ता किए बिना, और स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही मजबूत किए बिना—किसी भी अधिकार का लागू होना केवल सैद्धांतिक रहेगा।

दवाओं की ऊँची कीमतें और दवा कंपनियों का प्रभाव भारत की स्वास्थ्य असमानता का एक अन्य कारण है। लगभग 80% दवाएँ अभी भी मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं। जब तक आवश्यक दवाओं पर सख्त मूल्य नियंत्रण नहीं होगा तथा जनऔषधि प्रणाली का विस्तार नहीं होगा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार महंगी दवाओं के भार तले दबते रहेंगे।

साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों की स्थितियाँ भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अस्थायी नियुक्तियाँ, कम वेतन, कार्यभार का दबाव और असुरक्षित कार्य वातावरण—ये सभी कारक चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तभी संभव है जब सरकार मानव संसाधनों में उचित निवेश करे। इन सभी परिस्थितियों में, स्वास्थ्य का अधिकार तभी वास्तविक रूप से लागू हो सकता है, जब शासन संरचना अधिक पारदर्शी, विकेंद्रीकृत और जवाबदेह बने। समुदाय आधारित निगरानी तंत्र, जिला स्वास्थ्य समितियों की मजबूती, डिजिटल पारदर्शिता, और शिकायत निवारण के प्रभावी तंत्र यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नागरिक अपने अधिकारों का दावा कर सकें और शासन उन्हें जवाब देने के लिए बाध्य रहे।

नीतिगत परिवर्तन के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार लंबी अवधि का कार्य है; परंतु इसकी शुरूआत तत्काल बजट बढ़ाने, निजी अस्पतालों को सख्त नियामक दायरे में लाने, दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने, तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने से हो सकती है। यह न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक न्यायसंगत बनाएगा बल्कि भविष्य के लिए स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव भी रखेगा।

अंततः, स्वास्थ्य को न्यायिक रूप से लागू करने योग्य बनाना भारत के संवैधानिक दर्शन—विशेषकर सामाजिक न्याय—की पुनर्पुष्टि होगा। लेकिन यह तभी सम्भव है जब सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी मजबूत हो कि वह इस अधिकार को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने में सक्षम हो। यदि राज्य की प्राथमिकताएँ स्वास्थ्य सुरक्षा की बजाय बाजार आधारित मॉडल को बढ़ावा देने में लगी रहेंगी, तो ह्यअधिकारह्ल शब्द अपनी प्रासंगिकता खो देगा और नागरिकों की पीड़ा बढ़ती जाएगी।

भारत को आज यह स्वीकार करना चाहिए कि स्वास्थ्य केवल आर्थिक विकास का फल नहीं, बल्कि मानव गरिमा की बुनियाद है। और जब तक इस बुनियाद को समान रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो रहेगा, पर जनता के जीवन में नहीं।

श्री काशी विश्वनाथ धाम की चैथी वर्षगांठ

-सुरेश गांधी

शिवरहस्य से दीप्त काशी: भव्यता, आस्था और अद्भुत परिवर्तन का महाउत्सव

गंगा की धाराएं जब काशी के हृदय से टकराती हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो समस्त ब्रह्मांड के स्पंदन यहां आकर थम गए हों। पंचक्रोशी पथ की धूल, गंगा तट की आह्लादित हवा, मणिकर्णिका की अनादी शांत ज्वाला और बाबा विश्वनाथ के दिव्य त्रिशूल का सामूहिक प्रतिध्वनि, ये सब काशी को वह रूप देते हैं, जो पृथ्वी के किसी अन्य स्थल को प्राप्त नहीं। उसी काशी ने चार वर्ष पूर्व अपने इतिहास के सबसे भव्य अध्यायों में से एक को जन्म दिया था, श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर। मतलब साफ है वाराणसी, कालातीत काशी, शिव की अनन्य भूमि, जहां हर भोर गंगा की लहरों पर सूर्य का स्वर्णिम प्रतिबिंब उतरता है और शाम की आरती में आस्था दीप बनकर जगमगाती है, वही काशी अब एक फिर से इतिहास लिख रही है। इस बार अध्याय न तो किसी राजवंश का है, न किसी शास्त्रार्थ का, बल्कि सनातन आस्था के विराट उदात्त रूप, श्री काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्जागरण का है, जिसे लोकार्पित हुए चार वर्ष पूरे हो रहे हैं। आज, 13 दिसंबर 2025 को, इस पुनर्निर्मित धाम की चैथी वर्षगांठ ऐसी धूमधाम से मनाई जा रही है, मानो काशी स्वयं अपने इतिहास को नूतन स्वर्णाक्षरों में उकेर रही हो। धाम की दीवारें, गलियारे, नंदी दर्शन पथ और गंगा मार्ग, सब उत्सव के रंगों में रंगे हैं। वैदिक ऋचाएं वातावरण में घुलती जा रही हैं और लोग दूर-दूर से आकर पूछ रहे हैं, कैसी अद्भुत है यह काशी! और कितनी बदल गई इन चार वर्षों में?

13 दिसंबर 2021, यह केवल एक दीक्षा दिवस भर नहीं था। यह वह घड़ी थी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वनाथ धाम के भव्य नव-परिसर का उद्घाटन कर काशी को उसका खोया गौरव लौटा दिया। धाम की तंग गलियों को इतिहास बनाकर, मंदिर परिसर को 50 गुना विस्तृत कर, गंगा से सीधे विश्वनाथ के दरबार तक निर्बाध पहुंच बनाकर जो परिवर्तन हुआ, वह केवल स्थापत्य का परिवर्तन नहीं था। वह था, एक सभ्यता का पुनर्जन्म, एक आस्था का उत्थान, और एक पूरी नगरी की आत्मा का पुनर्प्रकाश. मोदी द्वारा लोकार्पित नव्य-भव्य-दिव्य धाम ने न सिर्फ बाबा विश्वनाथ मंदिर की सांस्कृतिक गरिमा को पुनर्स्थापित किया, बल्कि यह साबित किया कि जब विकास दूरदृष्टि से संचालित हो तो वह परंपरा को नया जीवन देता है, उसे लीलता नहीं। आज चार वर्ष बाद ऐसा प्रतीत होता है मानो उसने काशी की नियति ही बदल दी हो। धर्म, संस्कृति, पर्यटन, अर्थव्यवस्था और शहरी विकास, हर क्षेत्र में काशी नई ऊंचाइयों को छू रही है। यह धाम केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक नेतृत्व का जीवंत प्रतीक बन चुका है। आज चार वर्ष बाद जब श्रद्धालुओं की संख्या करोड़ों में जा पहुंची है, जब धाम की सजावट विश्व-स्तरीय बन चुकी है, जब चढ़ावा हर वर्ष नया रिकॉर्ड बना रहा है और जब काशी की अर्थव्यवस्था शिखर छू रही है, तब यह वर्षगांठ एक अध्यात्मिक पर्व से कहीं अधिक हो जाती है। मतलब साफ है काशी विश्वनाथ धाम की यह चार वर्ष की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि आस्था जब विकास के साथ जुड़ती है, तो परिणाम केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सभ्यतागत होते हैं। बाबा का आशीष और व्यवस्थाओं का विस्तार, दोनों ने काशी को वह स्थान दिलाया है जहां अब दुनिया श्रद्धा के साथ नजरें उठाकर देख रही है। काशी सदियों से कहती आई है, यहाँ हर दिन नया है, हर पल शिवमय है। धाम का चार वर्ष पूरा होना उसी सनातन संदेश की पुनर्पुष्टि है। 13 से 15 दिसंबर तक होने वाले उत्सव इस बात का प्रमाण होंगे कि काशी केवल शहर नहीं, एक जीवंत चेतना है। और श्री काशी विश्वनाथ धाम उसका स्पंदित हृदय।

वर्षगांठ समारोह का शुभारंभ हुआ, महारुद्र पाठ से। कश्मीरी शिवागम, कठोपनिषद्, शिवमहिम्न स्तोत्र और वेदों की ऋचाएं जब सामूहिक स्वरों में धाम में गूंजती हैं, तो लगता है कि आकाश भी झुककर महादेव के चरणों पर प्रणाम कर रहा है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र बताते हैं, ह्लमहारुद्र पाठ केवल एक अनुष्ठान नहीं, यह ब्रह्मांडीय ऊर्जा से साक्षात्कार का माध्यम है। इस वर्षगांठ को विशेष वैदिक महत्व भी प्राप्त है, क्योंकि शिव हर त्रिविध स्वरूप के माध्यम से धारणा, संवेदना और मुक्तिदान करते हैं ह्व पूरे परिसर में हवन-यज्ञ, धूप-दीप, पंचकव्य, औषधीय द्रव्यों की सुगंध ऐसी धारा बहा रही है, जो थके हुए मन को स्पर्श करते ही प्रसन्नता से भर देती है।

प्रातःकाल, समस्त देव विग्रहों का शास्त्रोक्त अभिषेक, भोर होते ही धाम की घंटियों ने ऐसा नाद किया कि काशी की देहरी पर विराजे समस्त देवताओं को मानो जागृति का निमंत्रण मिला। आचार्य विश्वेश्वर शास्त्री द्राविड़, वैदिक ब्रह्मचारी, मंदिर के गणपति, आचार्यों और विद्वानों की टीम द्वारा पंचामृत गंगाजल औषधीय अर्क भस्म दुग्ध और पुष्पद्रव्यों से नव-परिसर में स्थापित सभी देवताओं का अभिषेक किया गया। यजमान मंदिर न्यास रहा और वैदिक ऋचाओं से वातावरण में ऐसी प्राण-शक्ति उत्पन्न हुई कि भक्त उमड़ पड़े, ह्ववास्तव में यह परमशिव का नगर है! ढुंढिराज गणेश के समीप स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में सप्त चिरंजीवियों का आह्वान विशेष पूजन हुआ। कुशासन, वेदघोष, घंटा-नाद और मंत्र-गूँज से उत्पन्न वातावरण का वर्णन शब्दों में संभव नहीं। हनुमान, अश्वत्थामा, बली, परशुराम, वेदव्यास, विभीषण और कृपाचार्य, इन सात पुण्य पुराण पुरुषों के आह्वान से धाम में अतुल्य आध्यात्मिक शक्ति का संचार हुआ। मंदिर चैक में आयोजित शिवार्चनम संध्या धाम की शोभा का चरम बिंदु बनी। काशी के सुप्रसिद्ध गायकों की भक्तिमयी प्रस्तुति, प्रख्यात सितार वादकों की सुर-लहरियां, और भजन ने धाम को स्वर-मंदिर में परिवर्तित कर दिया। लाखों भक्तों ने दीपों की रोशनी में उसी भाव से हाथ उठाए जैसे शिव को स्वयं प्रणाम कर रहे हों। काशी की वह शाम, सचमुच, किसी दिव्य लोक का अनुभव दे रही थी। 14 दिसंबरः मुख्य शास्त्रीय उत्सव, संगीत, नृत्य और शिव-आराधना का अद्वितीय संगम. उत्सव का श्रेष्ठ दिन रहेगा 14 दिसंबर। इस दिन, धाम के चैक क्षेत्र में वृहद् शास्त्रीय संगीत-नृत्य महोत्सव आयोजित किया जाएगा। देश के प्रमुख कलाकार, सितारवादक, तबला वादक, कर्नाटक संगीतज्ञ, शास्त्रीय गायकक्ृअपनी प्रस्तुति देंगे। शिवार्चनम्- संध्या संध्या के समय काशी के शास्त्रीय संगीत को एक बार फिर जीवंत कर देगी। शास्त्रीय संगीत का यह आयोजन न केवल धाम की संस्कृति का गौरव है, बल्कि यह भी संदेश देता है कि काशी केवल मोक्ष की नगरी ही नहीं, बल्कि संगीत और कला का सनातन स्रोत है। 12 दिसंबर से धाम की भव्य सजावट शुरू हो गयी है, गंगा द्वार से लेकर नंदी दर्शन पथ तक, गर्भगृह के प्रवेश द्वार से लेकर मंदिर चैक तक, वैश्विक अतिथि कक्षों से लेकर गलियारों तक सैकड़ों प्रकार के देशी-विदेशी पुष्पों से धाम को सजाया गया है. इनमें राजनिगंधा, गुलदाऊदी, ऑर्किड, गुलाब, जरबेरा, कमल और काशी की पारंपरिक गेंदे की मालाएँ शामिल हैं। श्रद्धालु इस अलौकिक पुष्पसज्जा का दर्शन कर धन्य हो रहे है, जिसे प्रतिवर्ष किसी जीवित पुष्प कला संग्रहालयह्व जैसा रूप दिया जाता है।

शिवतत्व और तीन की आध्यात्मिक व्याख्या

शिव इतने व्यापक क्यों हैं? क्यों उनके प्रतीक त्रिविध स्वरूपों में ही अधिक दिखाई देते हैं? क्यों धाम की चैथी वर्षगांठ इस वर्षगांठ को विशेष महत्व देती है? क्योंकि शिव स्वयं त्रित्व हैं, त्रिपुण्ड, त्रिशूल, त्रिपत्र बिल्व, त्रिदेव स्वरूप ब्रह्मा, विष्णु, महेश, तीन लोक, भू, भुवः, स्वः, तीन अवस्थाएँ भूत, वर्तमान, भविष्य, तीन नाड़ियां इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना, सभी मिलकर शिवतत्व का वह दार्शनिक आधार बनाते हैं, जो मनुष्य को, उत्पत्ति, स्थिति, संहार तीनों की अनुभूति कराता है। काशी धाम का सम्पूर्ण वास्तु भी इसी त्रिवेणी संतुलन पर आधारित है।

अब बात उस परिवर्तन की, जिसने काशी को आस्था की राजधानी के अतिरिक्त विश्वस्तरीय सांस्कृतिक केंद्र बना दिया। चार सालः 26 करोड़ 23 लाख श्रद्धालु, 4500 करोड़ से ऊपर का कारोबार...यह बताने के लिए काफी है, श्री काशी विश्वनाथ धाम... जहां आस्था बढ़ी, काशी निखरी और सनातन जाग उठा है. यह आंकड़ा न केवल रिकॉर्ड है, बल्कि यह सनातन आस्था के विश्वव्यापी पुनरुत्थान की कथा भी कहता है। खास यह है कि इसी अवधि में चढ़ावा लगभग 175 करोड़ से अधिक का रहा, जबकि धाम और पर्यटन से जुड़े सेक्टरों में लगभग 4500 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक गतिविधियां दर्ज की गईं। यह आंकड़े काशी को न सिर्फ धार्मिक राजधानी बनाते हैं, बल्कि तेजी से उभरते आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करते हैं। मतलब साफ है ये चार वर्ष केवल किसी संरचनात्मक विस्तार के नहीं, बल्कि एतिहासिक रूप से पुनर्जीवित उस आध्यात्मिक चेतना के भी साक्षी हैं, जिसने काशी को एक बार फिर विश्व धार्मिक पर्यटन के केंद्र में प्रतिष्ठित कर दिया है। धाम का पुनरुद्धार केवल वास्तु विस्तार नहीं, बल्कि एक ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक परिसर का निर्माण है जिसमें भक्तों के लिए सुगमता सर्वोपरि है। धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र बताते हैं, सावन हो या चिलचिलाती गर्मी, हर मौसम में भक्तों के लिए छाया, कूलिंग, ड्रिंकिंग वाटर, मैट, ओआरएस, प्राथमिक चिकित्सा, गोल्फ कार्ट, व्हीलचेयर और जर्मन हैंगर जैसी व्यवस्थाएँ मंदिर न्यास की प्राथमिकता में हैं। धाम पहुंचने वाला हर शिवभक्त यह अनुभव करता है कि सुविधा और व्यवस्था की यह परिकल्पना आधुनिक भारत के धार्मिक आधारभूत ढांचे का नया मानक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निरंतर उपस्थिति और समीक्षा ने काशी के इस परिवर्तन को गति दी है। शहर की कनेक्टिविटी, फ्लाईओवरों का जाल, मल्टी-लेवल पार्किंग, चैड़ी सड़कें, घाटों का सौंदर्यीकरण, गंगा पथ, इन सभी ने मिलकर बनारस को एक आधुनिक धार्मिक पर्यटन नगर के रूप में विकसित किया है, जहां परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चलती हैं। यही वजह है कि विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है और काशी अब वैश्विक संस्कृति एवं आस्था राजधानी के रूप में उभर रही है।

3,000 वर्गफुट से 5 लाख वर्गफुट

तक... धाम का विराट विस्तार

पहले जहां मंदिर परिसर महज 3,000 वर्गफुट में सिमटा था, वहीं आज यह करीब पाँच लाख वर्गफुट में फैला है, एक ऐसा विस्तार जिसे देखकर पहली बार आने वाला हर श्रद्धालु विस्मित हो उठता है। मां गंगा के निकट तक बना विशाल कॉरिडोर, सुव्यवस्थित प्रवेश मार्ग, खुली हवा वाला परिक्रमा क्षेत्र, ये सभी बाबा के भक्तों के लिए आध्यात्मिक अनुभव को और गहन बनाते हैं। यह आंकड़ा केवल बढ़ती संख्या नहीं, बल्कि विश्वास की वह धारा है जिसमें हर दिन करोड़ों लोग डुबकी लगा रहे हैं।

पर्यटन का कुम्भ दैनिक डेढ़ लाख श्रद्धालु तक पहुंचे

कवि-कल्पना नहीं, आंकड़े खुद बताते हैं कि विश्वनाथ धाम के पुनर्विकास ने काशी में धार्मिक पर्यटन को विश्व स्तर पर नई पहचान दी है। मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक धाम में औसतन रोजाना 1 से 1.5 लाख श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। सावन, माघ और प्रमुख पर्वों पर यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है।

महाकुंभ में भी रिकॉर्ड तोड़ भीड़

महाकुंभ 2025 के दौरान काशी में आस्था का अभूतपूर्व प्रवाह देखने को मिला। केवल 45 दिनों में 2 करोड़ 67 लाख 13 हजार 004 श्रद्धालुओं ने धाम में दर्शन कर नया रिकॉर्ड बनाया। 1 जनवरी से 28 फरवरी के बीच कुल 2 करोड़ 87 लाख 11 हजार 233 श्रद्धालु काशी पहुंचे। औसतन हर दिन 6.5 लाख से अधिक दर्शनार्थियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई।

इंफ्रास्ट्रक्चर - आस्थाः पर्यटन का नया पैमाना

काशी के विकास मॉडल का सबसे बड़ा आधार है, धर्म, संस्कृति और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का संगम। साथ ही कनेक्टिविटी और शहरी ढांचा इस तरह विकसित हुआ कि दुनिया के किसी भी कोने से आने वाला यात्री खुद को सहज महसूस करे। इन्हीं सुधारों ने काशी को विश्व के धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर शीर्ष पर पहुंचाया, गंगा क्रूज, विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती, घाटों का कायाकल्प, वाराणसी की सांस्कृतिक-आध्यात्मिक परंपराएं, बनारसी बुनकरों की कला, गुलाबी मीनाकारी और स्थानीय शिल्प, सुरक्षित, स्वच्छ और स्मार्ट मार्गदर्शन व यातायात.

4500 करोड़ का आर्थिक इकोसिस्टम,

काशी को मिला ह्यडबल इंजनह्ल का लाभ

विश्वनाथ धाम के उद्घाटन के बाद काशी का पर्यटन आधारित कारोबार ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। चढ़ावा, होटल-टूरिज्म, ट्रांसपोर्ट, फूड एंड क्राफ्ट मार्केट, रियल एस्टेटकृसभी सेक्टरों में उछाल दिखा।

रोजगार वृद्धि (अनुमानित औसत)

पर्यटन क्षेत्रः 45 फीसदी वृद्धि

घाट प्रबंधनः बढ़ा रोजगार

होटल मालिकों की आयः 75 फीसदी तक वृद्धि

दुकानदारों की आयः 50 फीसदी वृद्धि

ई-रिक्शा चालकों की आयः 35 फीसदी वृद्धि

टैक्सी ऑपरेटरः 25 फीसदी तक वृद्धि

नाविक, पूजन सामग्री, साड़ी व्यवसायी, मीनाकारी, कारीगरः 55 फीसदी आय वृद्धि.

यह वृद्धि केवल व्यावसायिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आस्था और सुविधाओं के अनुकूलन का परिणाम है, सुगम दर्शन से 99 फीसदी श्रद्धालु संतुष्ट पाए गए।

काशी बदल रही है भारत का पर्यटन भूगोल

चार वर्षों के भीतर काशी विश्वनाथ धाम ने आगरा और मथुरा जैसे शहरों को पीछे छोड़ दिया है। पर्यटकों की संख्या के मामले में काशी देश की सबसे अधिक विजिटेड धार्मिक नगरी बन चुकी है। धार्मिक पर्यटन के इस उभार से काशी के छोटे दुकानदारों से लेकर होटलियर, चालक, नाविक, बुनकर और कारीगर तककृहर किसी की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। कभी संकरे मार्गों में सिमटी काशी, आज विशाल प्रांगणों में सांस लेती है। गंगा की धारा मंदिर तक पहुँचती है। धाम में ठहरने पर अनुभूति होती है कि ह्लशिव स्वयं इस धरा पर विचरण कर रहे हों ह्व

काशी का पुनर्जन्म और विश्वनाथ का अनंत वैभव

धाम की चैथी वर्षगांठ केवल एक आयोजन का नाम नहीं, यह काशी की उस अद्भुत यात्रा का उत्सव है जिसने अतीत को सम्मान दिया, वर्तमान को भव्य बनाया, और भविष्य के लिए आध्यात्मिक धरोहर का अमिट मार्ग तैयार किया। आज जब लाखों दीप काशी की देहरी पर जगमगा रहे हैं, तब हर भक्त की आँखों में एक ही भाव है, ह्लजहाँ शिव हैं, वहीं मोक्ष है। और जहाँ काशी है, वहाँ शिव सदा विराजते हैं ह्व

दो तिथियाँ, एक उत्सव, दोगुना उल्लास

इस वर्ष एक रोचक संयोग बना है, ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार धाम का लोकार्पण 13 दिसंबर को हुआ था। हिंदू पंचांग के अनुसार लोकार्पण की तिथि मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी है, जो इस वर्ष 14 दिसंबर को पड़ रही है। अतः धाम प्रशासन ने निर्णय लिया है कि 13 और 14 दिसंबर दोनों दिन विशेष कार्यक्रम, और 12 से 15 दिसंबर तक चार दिन का पुष्पोत्सव मनाया जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र बताते हैं धाम की वर्षगांठ केवल उत्सव नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के उस नवोन्मेष का प्रदर्शन है जिसने काशी को विश्व-मानचित्र पर पुनः प्रतिष्ठित किया है।

धाम, अब पूरे देश के मंदिरों के लिए ह्यमॉडलह्ल

धाम में भीड़ नियंत्रण, सफाई, सुरक्षा, प्लास्टिक-मुक्त परिसर, वैदिक-अनुष्ठान और तकनीक आधारित सुविधाओं को देखते हुए अन्य प्रमुख मंदिरों, मथुरा, रामेश्वरम, अयोध्या, उज्जैन, पुरी ने भी प्रबंधन सीखने में रुचि दिखाई है। धाम की एसओपी देश के कई मंदिरों के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करेगी। चार वर्षों में धाम की लोकप्रियता में बढ़ोतरी के पीछे अनेक कारण हैं,

जर्मन हैंगर, गोल्फ कार्ट, निःशुल्क व्हीलचेयर, गर्मी में पैरों के लिए मैट, कूलर, पीने का स्वच्छ जल, कैनोपी, ओआरएस, 247 मेडिकल सुविधा, तकनीक का व्यापक उपयोग ऑनलाइन दर्शन, डिजिटल टिकट, लाइव दर्शन, स्मार्ट भीड़ प्रबंधन, शिकायत निवारण प्रणाली, काशी के लोगों के लिए अलग प्रवेश, एक मानवीय व्यवस्था, काशीवासियों के स्वयं के मंदिर में सहज प्रवेश को प्राथमिकता दी गई है।

युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित जीवदानी यात्रा संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 12 दिसंबर 2025 की भव्य जीवदानी यात्रा भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह वार्षिक यात्रा बोईसर रेलवे स्टेशन से विरार रेलवे स्टेशन तक ट्रेन द्वारा तथा विरार स्टेशन से मां जीवदानी मंदिर तक पदयात्रा के रूप में आयोजित की गई।

यात्रा का शुभारंभ नारियल तोड़कर समाजसेवक तेजस जाधव एवं पत्रकार अजीत सिंह ने किया। विरार तालाब से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जय माता दी के जयकारों के साथ जीवदानी माता के दरबार की ओर रवाना हुए। यात्रा में महिलाओं, युवाओं व वरिष्ठ नागरिकों सहित स्थानीय भक्तों की भारी उपस्थिति रही। पूरे मार्ग में भक्ति, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। ट्रस्ट अध्यक्ष जयकुमार पटवा ने बताया कि यह यात्रा वर्ष 2017 से लगातार आयोजित की जा रही है और हर वर्ष भक्तों की संख्या में वृद्धि होती जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी इस परंपरा को और भव्य रूप में जारी रखा जायेगा। कार्यक्रम की सफलता में ट्रस्ट के सचिव पाटील, अरुण चव्हाण, अयोध्या शर्मा, डॉ. राम अचल सिंह, प्रमोद रामसेठ व पप्पू यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं तन-मन-धन से सहयोग देने वालों में सोना सेठ, सुमित पटवा, रतन सोनी, संदीप गुप्ता, शैलेश पटवा, अशोक यादव, राम पटवा, समशेर सिंह व दिनेश राम के सेवाभाव की सराहना की गई। यात्रा में शामिल सभी लोगों का ट्रस्ट के अध्यक्ष व संस्थापक जयकुमार पटवा ने हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। अंत में उन्होंने ट्रस्ट की ओर से लोगों को आह्वान किया कि 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस तथा 1 जनवरी को विश्व कल्याण दिवस उत्साहपूर्वक मनाकर समाज में सकारात्मकता व सद्भाव का संदेश प्रसारित करें।

मुफ्त चिकित्सा जांच मुफ्त चश्मा व दवा वितरण

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी के महासचिव राजू गाजेंगी के जनसंपर्क कार्यालय कामतघर स्थित स्वास्थ्य जांच व मुफ्त दवा वितरण, नेत्र जांच व मुफ्त चश्मा वितरण किया गया। बतादें कि राजू गाजेंगी अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी के महासचिव के साथ भाजपा भिवंडी के पूर्व महासचिव हैं और सामाजिक कार्यों में उनका विशेष योगदान रहता है । इसी तरह इस चिकित्सा शिविर में राजू गाजेंगी के साथ समाजसेविका लता गाजेंगी व श्री हास्पिटल के डा. कोन्डा गाजेंगी व उनकी टीम तथा आरव नेत्र चिकित्सालय की डाक्टर प्रियंका गज्जम व उनकी टीम के साथ कार्यालय की टीम के सहयोग से क्षेत्र के सैकडों महिला/पुरुषों ने स्वास्थ्य की जांच व मुफ्त दवा एवं चश्मा का लाभ उठाया ।

एबी इनबेव की आईसीसी के साथ साझेदारी

मुंबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने घोषणा की है कि दुनिया की अग्रणी ब्रेवर कंपनी एबी इनबेव वर्ष 2026 से शुरू होने वाले सभी प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंटों की ऑफिशियल बीयर पार्टनर होगी। यह साझेदारी भारत में बडवाइजर की नो-अल्कोहल बीयर बडवाइजर 0.0 से संचालित होगी, जबकि यूरोप और अफ्रीका में एबीआई के अन्य प्रमुख ब्रांड सक्रिय भूमिका निभाएंगे। स्टेडियम में लाइव मैच देखने से लेकर बार या पब में दोस्तों संग मुकाबला देखने तक, कम अल्कोहल-बाय-वॉल्यूम (एबीवी) और बडवाइजर 0.0 जैसे नो-अल्कोहल विकल्प के साथ जिम्मेदारी से बीयर का आनंद लेने का स्वाभाविक चुनाव है। आईसीसी के साथ इस साझेदारी के माध्यम से एबी इनबेव दुनिया भर के कानूनी पीने की उम्र वाले क्रिकेट प्रशंसकों के लिए अधिक चियर्स, विकल्प और उत्सव के क्षण बनाएगी। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, क्रिकेट दुनिया के सबसे पसंद किए जाने वाले खेलों में से एक है, जिसके दो अरब से अधिक प्रशंसक हैं, और आईसीसी इवेंट्स इसके जुनून का सबसे बड़ा मंच हैं। वहीं, एबी इनबेव फैनडम को बढ़ाने के लिए एक्स्पीरियंस एक्टिवेशंस में अग्रणी रहा है। यह साझेदारी उन संगठनों का स्वाभाविक गठबंधन है जो महत्वपूर्ण पलों को ऊँचा उठाने, यादें बनाने और इनोवेशंस के माध्यम से प्रशंसक अनुभव को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। हम एबी इनबेव का अपने प्रतिष्ठित वाणिज्यिक साझेदारों की सूची में स्वागत करते हैं और टूर्नामेंटों में बहुआयामी अनुभव प्रदान करने के लिए मिलकर काम करने की आशा रखते हैं। एबी इनबेव इंडिया के प्रेसिडेंट कार्तिकेय शर्मा ने इस अवसर पर कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। पिछले दो दशकों से बडवाइजर भारत में उत्सवों के केंद्र में रहा है, और देश के अग्रणी प्रीमियम बीयर ब्रांड के रूप में यह हमारे लिए बिल्कुल सही समय है कि हम अपनी उत्सव भावना को उस खेल से जोड़ें जो करोड़ों लोगों को एकजुट करता है। हमारा उद्देश्य क्रिकेट के हर पल को शानदार बनाना है – चाहे वह स्टेडियम की गूंज हो या घरों से उठता शोर – और उन प्रशंसकों पर रोशनी डालना है जो इस खेल को आइकॉनिक बनाते हैं। आईसीसी के साथ मिलकर, हम विश्व-स्तरीय अनुभव प्रदान करेंगे, जो क्रिकेट के उत्सवों को बडवाइजर की पहचान से जोड़ेंगे – गर्व से, जिम्मेदारी के साथ, और हमेशा उन लोगों के हाथों में जो हर पल को खास बनाते हैं।

पालघर जिले में आवारा कुत्तों पर नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम

◆बोईसर व मनोर में श्वान-निर्बीजकरण केंद्रों का शुभारंभ, सफाले केंद्र भी जल्द होगा शुरू

◆नागरिक सुरक्षा और रेबीज नियंत्रण को मिलेगी मजबूती: सीईओ मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पालघर जिला परिषद ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान अंतर्गत बोईसर, मनोर और सफाले–इन तीन स्थानों पर स्वतंत्र श्वान-निर्बीजकरण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। इनमें से बोईसर तथा मनोर केंद्रों का विधिवत उद्घाटन कर दिया गया है, जबकि सफाले केंद्र भी शीघ्र संचालन में आएगा। इसकी जानकारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने दी।

इससे पहले दो वर्षों तक सातपाटी, अनार्ला और दांडी जैसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में श्वान-निर्बीजकरण और रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया गया था। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल करने वाली पालघर जिला परिषद महाराष्ट्र की पहली जिला परिषद है। इस वर्ष पहली बार शासन के निदेर्शानुसार केंद्र-आधारित प्रणाली लागू की गई है, जिससे श्वान संकलन, निर्बीजकरण, टीकाकरण और पश्चात-देखभाल की प्रक्रिया और अधिक व्यवस्थित, प्रभावी तथा पारदर्शी हो सकेगी। जिला परिषद पालघर और यूनिवर्सल ऐनिमल वेल्फेयर सोसायटी के संयुक्त

सहयोग से बोईसर में पहला केंद्र शुरू किया गया है। पुलिस गृहनिर्माण सोसायटी परिसर में स्थापित इस केंद्र में श्वानों का संकलन, शस्त्रक्रिया, 3झ4 दिन की देखभाल, उपचार और रेबीज टीकाकरण प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। उपचार पूर्ण होने के बाद श्वानों को पुनः उसी क्षेत्र में छोड़ दिया जाता है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सीईओ मनोज रानडे, ग्राम पंचायत अधिकारी कमलेश संखे, सरपंच दिलीप धोंडी, उपसरपंच नीलम संखे सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिला परिषद और नवसमाज निर्माण बहुउद्देश्यीय संस्था के सहयोग से मनोर ग्राम पंचायत क्षेत्र में भी केंद्र की स्थापना की गई। उद्घाटन के समय अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, संस्था के परियोजना संचालक गौतम शिरसाठ, ग्राम पंचायत अधिकारी नितीन पवार, सरपंच चेतन पाटील आदि उपस्थित रहे। डॉ. हसनालकर ने बताया कि नजीम खतीब ने इस कार्य के लिए निरंतर फॉलो-अप किया था।

सीईओ मनोज रानडे ने कहा कि आवारा कुत्तों की अनियंत्रित बढ़ोतरी, नागरिकों की परेशानियाँ और रेबीज के बढ़ते जोखिम को देखते हुए ये केंद्र अत्यंत आवश्यक कदम हैं। केंद्र-आधारित निर्बीजकरण प्रणाली वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होने से यह अभियान अधिक प्रभावी सिद्ध होगा। अतिरिक्त सीईओ रविंद्र शिंदे ने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से कुत्तों की उचित देखभाल, उपचार, टीकाकरण और सुरक्षित पुनर्वास की संपूर्ण प्रक्रिया सुचारु रूप से लागू होगी, जिससे जिले में सुरक्षित वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। बोईसर, मनोर और सफाले में स्थापित किए जा रहे ये केंद्र न केवल आवारा कुत्तों की संख्या में कमी लायेंगे, बल्कि रेबीज की रोकथाम, पर्यटन क्षेत्रों की सुरक्षा और शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में शांतिपूर्ण व स्वच्छ वातावरण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार द्वारा स्वच्छता अभियान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण वेस्ट में भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने स्वच्छता अभियान शुरू किया है, जो 11 दिसंबर से चल रहा है। इस अभियान का उद्देश्य वार्ड नंबर 7 को पूरी तरह से साफ और स्वच्छ बनाना है। इसमें 100 सफाई कर्मचारियों की मदद ली जा रही है, जो सोसाइटियों, चॉलों, सड़कों और सीवर लाइनों की सफाई कर रहे हैं।

नरेंद्र पवार ने कहा, स्वच्छता सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। हमें अपने इलाके को साफ और हेल्दी रखना चाहिए। इस अभियान में भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हैं, जिनमें संदीप गायकर, हेमलता पवार, भारती गायकर और शामल गायकर शामिल हैं।

यह अभियान तब तक चलेगा जब तक पूरा वार्ड साफ नहीं हो जाता। नरेंद्र पवार ने लोगों से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और अपने इलाके को स्वच्छ बनाने में मदद करें।

शिकायतकर्ता ही निकला आरोपी काशीगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तर शक्ति)। मीरा रोड काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा का प्रदर्शन। गत 08/12/2025 को, शिकायतकर्ता सुशांत दशरथ मोहिते, उम्र 36 वर्ष, पेशा निर्माण पर्यवेक्षक, निवास रन नंबर 511 भीम नगर वर्तकनगर कोकाटे चाल, गणपति मंदिर के पास, तहसील जिला ठाणे ने काशीगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि 08/12/2025 को दोपहर 1 बजे, के लगभग घोड़बंदर रोड, काजूपाड़ा से अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी चेनागांव सिग्नल के पास चेकपॉइंट पर खड़े खाकी वर्दी पहने दो पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता के वाहन को रोका और उससे वाहन के दस्तावेजों और लाइसेंस के बारे में पूछताछ की। शिकायतकर्ता द्वारा अपने वाहन के दस्तावेज और लाइसेंस दिखाने के बाद, दोनों पुलिसकर्मियों ने वाहन के ट्रंक की जांच की और पाया कि शिकायतकर्ता को उक्त राशि उसके कंपनी मालिक रामचंद्र सतरे ने कंपनी के साइट पर काम करने वाले श्रमिकों को देने के लिए दी थी। उसी समय, दोनों पुलिसकर्मियों ने 2000 रुपये की राशि निकाली। साथ ही गाड़ी की डिक्की से 2,23,000/- रुपये निकाले और कहा, चुनाव चल रहे हैं। ये रकम कहाँ से मिली और कहाँ देने जा रहे हो काशिमीरा पुलिस स्टेशन आकर इस मामले

का स्पष्टीकरण दो। उस समय, शिकायतकर्ता ने दोनों पुलिसकर्मियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने शिकायतकर्ता को पीटा, रकम ली और वहाँ से चले गए। शिकायतकर्ता काशिगाँव पुलिस स्टेशन आया और बताया कि दोनों पुलिसकर्मी वहाँ से चले गए हैं। शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर, काशिगाँव पुलिस स्टेशन में दोनों भेष बदलकर आए पुलिसकर्मियों के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज किया गया, जी.आर. संख्या 559/2025, भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 115(2), 319 और 3(5) के तहत। अपराध की प्रकृति गंभीर होने के कारण, वरिष्ठ अधिकारियों ने काशीगांव पुलिस स्टेशन को घटना की जांच करने, आरोपियों की तलाश करने और उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। अपराध की जांच के दौरान यह पता चला कि शिकायतकर्ता सुशांत मोहिते ने जिस निर्माण कंपनी में वह काम कर रहा था, उससे पैसे की हेराफेरी करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाकर अपराध को अंजाम दिया था। निर्माण मामले में आरोपियों के नाम हैं 1) सुशांत दशरथ मोहिते, उम्र 36 वर्ष, बिजनेस सुपरवाइजर, निवास कमरा संख्या 511 भामनगर वर्तकनगर, कोकाटे चाल, गणपति मंदिर के पास, तालुका ठाणे और उसका साथी 2) रानू उर्फ ओंकार अंकुश भडगे, उम्र 29 वर्ष, व्यवसायी, निवास 03 अप्पा इंडीज चाल, शास्त्र नगर, पोखरण रोड 01, जिला ठाणे। इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और अपराध के मामले में 2,23,000 रुपये और अपराध में इस्तेमाल किया गया वाहन जब्त कर लिया गया है। उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) अतिरिक्त प्रभार सर्किल 01, गणपत पिंगले, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड डिवीजन, राहुल कुमार पाटिल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, काशीगांव पुलिस स्टेशन, संजय पुजारी, पुलिस निरीक्षक (अपराध), अभिजीत लांडे, विजय साठे, पुलिस उप-निरीक्षक, अपराध पहचान शाखा, साथ ही अपराध पहचान शाखा के अनमलदार पो. हवा प्रताप पंचुडे, पो. हवा जयप्रकाश जाधव, पुलिस अनमलदार किरण विर्कर, विक्रांत खंडारे, उमंग चौधरी, प्रवीण तोबर, नामदेव देवकाटे और अभिषेक मदावी के मार्गदर्शन में किया गया है।

भारत के पूर्व गृहमंत्री तथा पूर्व लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल का निधन

मुंबई। भारत के पूर्व गृह मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, पंजाब के राज्यपाल तथा लगातार सात बार सांसद रहे शिवराज पाटिल का आज 90 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। उस्मानिया विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक और मुंबई विश्वविद्यालय से विधि की पढ़ाई की थी। वह पहली बार 1980 में लातूर से लोकसभा के लिए चुने गए और 1999 तक लगातार सात चुनाव जीतकर लोकसभा में बड़े नेता के रूप में उभरे। उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकार में महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली। वह साल 1991 से 1996 तक लोकसभा के स्पीकर रहे। उन्होंने देश और विदेश में कई पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व किया। शिवराज पाटिल ने वर्ष 1980 में राजनीति में कदम रखा। वह पहली बार सातवीं लोकसभा के लिए चुने गए। वहीं, वर्ष 2004 तक वह सात बार लोकसभा सदस्य चुने गए। 1980-1990 के दशक में उन्होंने संसद में संसदीय सदस्य की सैलरी और अलाउंस पर बनी जॉइंट कमिटी में काम किया। बाद में इसी के चेयरमैन भी बने। पाटिल पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में रक्षा राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। 2004-2008 की यूपीए सरकार के दौरान शिवराज पाटिल देश के गृहमंत्री भी रहे। 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उन्होंने 30 नवंबर, 2008 को देश की सुरक्षा में हुई चूकों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, सांसद सीमा द्विवेदी, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रसेन सिंह, भाजपा के मुंबई प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह,भाजपा नेता सुरेश सिंह समेत अनेक लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

रईस हाई स्कूल में इको क्लब द्वारा कम्पोस्ट खाद बनाने के तरीके पर कार्यशाला का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छात्रों में पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करने के मकसद से रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज में इको क्लब की स्थापना की गई । इस ईको क्लब की देखरेख में बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में बुधवार 10 दिसंबर को कम्पोस्ट खाद बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कम्पोस्ट खाद एक बहुत अच्छा आर्गेनिक फर्टिलाइजर है जो सुरक्षित एवं टिकाऊ खेती के लिए सबसे जरूरी तत्व में से एक है। यह पौधों और जानवरों के कचरे को आर्गेनिक फर्टिलाइजर में बदलता है और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इस कार्यशाला के माध्यम से एजाज हाशमी , निजामुददीन , नाजिया मैडम ने छात्रों को कम्पोस्ट खाद बनाने के सिद्धांतों और फायदों के बारे में बताया और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में प्रैक्टिकल तौर पर भाग लिया और मार्गदर्शकों के माध्यम से कम्पोस्ट खाद बनाना सीखा। उपस्थित छात्रों ने अपने घरों में

निकलने वाले हरे कचरे(ग्रीन वेस्ट) से कम्पोस्ट खाद बनाने का इरादा जताया जिससे कैंपस के बाहर भी ग्रीन वेस्ट कम होने की उम्मीद है। यह ध्यान रखना चाहिए कि केमिकल खाद के नुकसानदायक असर से बचने का सबसे अच्छा तरीका कम्पोस्ट है जिसे बनाने में बहुत कम खर्च आता है और यह पर्यावरण के लिए भी बहुत सुरक्षित होता है। कार्यशाला का आयोजन रफिया खुशाल, मुबश्शेरा अंसारी और आयशा शाह आदि अध्यापकों की देखरेख में आयोजित किया गया था।जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी ने शामिल होकर अपने संबोधन में कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए छात्रों और मार्गदर्शक अध्यापकों को बधाई दी।

डहाणू पंचायत समिति के वार्षिक कार्यनिरीक्षण में अपूर्ण कार्यों पर सख्ती

अधिकारियों को समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले की पंचायत समिति डहाणू के वर्ष 2021-22 के वार्षिक कार्य निरीक्षण की टिपण रिपोर्ट का वाचन उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन व ग्रामीण विकास) इजाज अहमद शरीक मसलत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान गटविकास अधिकारी पल्लवी सस्ते, सहायक गटविकास अधिकारी रेखा बनसोडे, कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी विलास वलवी सहित समिति के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण में बांधकाम, ग्रामपाणीपुरवठा (ग्रापापु), लघु पाटबंधारे और पीएमएवाई विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। लंबित और अपूर्ण कार्यों की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तुरंत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गये। विशेष रूप से पीएमएवाई के अंतर्गत घरों का निर्माण निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के लिए स्पष्ट आदेश जारी किये गये। पशुसंवर्धन, कृषि, समाज कल्याण तथा महिला एवं बाल कल्याण विभागों की योजनाओं की

भी समीक्षा की गई। लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देते समय दोहराव टालने और कड़ी जांच-पड़ताल सुनिश्चित करने के निर्देश उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी ने दिए। दैनिक प्रशासनिक कार्यों को गति देने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक एवं एआई के प्रभावी उपयोग पर भी मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में विभागवार लंबित मुद्दों, कार्यों की वर्तमान स्थिति, आगामी प्राथमिकताएं और आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के स्पष्ट निर्देश देते हुए उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

तलासरी में वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड का 9114वां विश्व पर्यावरण सफाई अभियान सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड की ओर से गुरुवार 11 दिसंबर 2025 को 9114वां विश्व पर्यावरण सफाई अभियान तलासरी नगर पंचायत क्षेत्र में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। तलासरी नगर पंचायत कार्यालय से लेकर गोदावरी कॉलेज परिसर तक चलाये गये इस अभियान में लगभग 150 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रधान पादरी किम जू चिअल के नेतृत्व में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले अभियान में 40 बैग यानी करीब 400 किलोग्राम कचरा एकत्र किया गया।

कार्यक्रम में तलासरी नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेश भोये, तलासरी पुलिस निरीक्षक अजय गोराड, तथा तलासरी पंचायत समिति आरोग्य विभाग के डॉक्टर श्रीकांत कुलकर्णी व डॉक्टर ऋतुजा ने उपस्थित रहकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। सभी मान्यवरों ने चर्च ऑफ गॉड के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए स्वच्छता अभियान की प्रशंसा

की। तलासरी नगर पंचायत की ओर से प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर चर्च अध्यक्ष ऐलन सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। चर्च प्रतिनिधि संगीता मैडम ने बताया कि वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड की स्थापना वर्ष 1964 में दूसरी बार आने वाले मसीह आन सांग होंग द्वारा की गई थी। वर्तमान में यह संस्था नई यरूशलेम माता परमेश्वर के मार्गदर्शन में चल रही है और विश्वभर में 175 देशों में 7,800 चर्चों तथा 39 लाख से अधिक पंजीकृत सदस्यों के साथ बाइबल के सिद्धांतों पर आधारित सेवा कार्य कर रही है। संस्था मदर्स स्ट्रीट जैसे वैश्विक स्वच्छता अभियानों से लेकर विभिन्न स्वयंसेवी गतिविधियों के माध्यम से यूएन के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को भी सहयोग देती है। इसके उत्कृष्ट कार्यों के लिए संस्था को अमेरिकी राष्ट्रपति स्वयंसेवा पुरस्कार, ब्रिटेन की रानी का पुरस्कार सहित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री द्वारा भी संस्था को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि तलासरी शाखा के सदस्य स्थानीय नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाजसेवा करने के लिए निरंतर तत्पर हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

चाइनीज मांझा से शिक्षक की हुई मौत पर भड़का जनाक्रोशः श्रवण जायसवाल

लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल के नेतृत्व में नगरवासियों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीते 11 दिसम्बर को चाइनीज मांझा से गला कटने से शिक्षक की हुई मौत पर जनपदवासी आक्रोशित हो गये। इसी

को लेकर लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल के नेतृत्व में तमाम प्रबुद्ध जनों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुये प्रतिबंधित चाइनीज मांझा जो जानलेवा हो चुकी है, को पूर्णतः बन्द किये जाने तथा इसकी खरीद व उपयोग करने वालों पर क्रिमिनल एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने की मांग किया।

जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि के रूप में मौजूद उपजिलाधिकारी सदर न्यायिक ज्योत्सना सिंह को ज्ञापन सौंपते हुये व्यापारी नेता श्री जायसवाल ने कहा कि बीते 11 दिसम्बर को अपनी बच्ची को स्कूल छोड़कर लौट रहे 40 वर्षीय पिता संदीप तिवारी निवासी उमरपुर, हरिबंधनपुर थाना शहर कोतवाली की नगर के शास्त्री पुल पर की प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की चपेट में आ जाने से गर्दन कट गयी। यह देख मौके पर जुटे लोग जब अस्पताल ले गये तो उनकी मौत हो गयी।

श्री जायसवाल ने आगे कहा कि इस तरह की पहले भी कई घटनाएं व मौत हो चुकी हैं परन्तु जिला प्रशासन को प्रतिबंधित मांझा बेचने वाले व उपयोग करने वाले दिखायी नहीं देते जबकि धड़ल्ले से उक्त मांझे को बेचा जा रहा है जिसका उपयोग करने वाले भी कम नहीं हैं। खुफिया एजेंसियों को जानलेवा मांझा न दिखायी देता है और न ही पुलिस वालों। इसकी भी जांच कराये जाने की सख्त आवश्यकता है। आज पूरा जिला शोक में डूबा हुआ है। मृतक संदीप तिवारी के परिवार का भरण-पोषण अब कौन करेगा? वह पेशे से प्राइवेट शिक्षण संस्थान में शिक्षक थे।

व्यापारी नेता श्री जायसवाल ने मांग किया मृतक संदीप तिवारी के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाय। प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने व उपयोग करने वालों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाय। पुलिस विभाग व खुफिया एजेंसियों द्वारा जांच अभियान चलाया जाय। पुलिस विभाग व मांझा विक्रेताओं के बीच निरन्तर संवाद स्थापित किया जाय। घटनास्थल के क्षेत्रीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाय।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश महासचिव अनवारूल हक, अवधेश श्रीवास्तव, अमर बहादुर सेठ, सुनील चौरसिया, सुशील दूबे, राजेश यादव, बबलू सोनकर, मनोज जायसवाल, शकील अहमद, जंग बहादुर यादव, अजय जायसवाल, अंसार अहमद, विजय मौर्य सहित तमाम व्यापारी एवं नगरवासी मौजूद रहे।

चाइनीज मंझे एवं मिड-डे मील में अनियमितता को लेकर कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चाइनीज मंझे से जौनपुर में हो रही प्रतिदिन दुर्घटना और मौत से आक्रोशित कांग्रेसियों ने जिला अध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि चाइनीज मांझा जानलेवा साबित हो रहा है, इसके बिक्री और प्रयोग के कारण अनगिनत मौतें हो जा रही है और सैकड़ों लोग अब तक गम्भीर रुप से अब तक घायल हो चुके हैं। सद्भावना पुल पर संदीप तिवारी की दर्दनाक मौत चाइनीज मंझे से गला कटने के कारण हुआ है। प्रमोद सिंह ने शासन से मांग किया कि चाइनीज मंझे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए इसे बेचने और उपयोग करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए। धरना प्रदर्शन में कांग्रेसियों ने जनपद जौनपुर में मिड डे मिल का मुद्दा उठाया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद सिंह ने कहा कि साप्ताहिक मेनू के अनुरूप प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल के बच्चों को भोजन नहीं दिया जा रहा है। शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को दूध और फल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है जो सर्वथा अन्याय और सरकारी धन का खुलेआम लूट है। आरिफ खान ने कहा कि कुछ विद्यालयों में सिंथेटिक दूध दिये जाने का मामला आया है जो गलत है। शासन बच्चों को शुद्ध और ताजा दूध उपलब्ध कराते हुए मानक के अनुसार छात्रों को भोजन व्यवस्था करायें। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवराज पांडेय, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह,प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, शिव मिश्रा, सभासद सहनवाज मंजूर, सभासद अबूजर शेख, अरुण शुक्ला, इरशाद खान, वरुणा शंकर चतुवेर्दी, जब्बार सलमानी, आजम जैदी, लाल प्रकाश पाल, अनिल सोनकर, प्रवेश निषाद, अश्वनी मौर्या, तौसीफ अहमद, ललित चौरसिया, इकबाल हुसैन, मोहम्मद ताहिर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुगराबादशाहपुर में प्रतिबंधित चाइनीज माँझा की अवैध बिक्री करने व शांति भंग करने वाले तीन गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के पर्यवेक्षण थाना मुंगरा बादशाहपुर पुलिस द्वारा प्रतिबंधित चाइनीज/नायलॉन माँझा के अवैध व्यापार के विरुद्ध संचालित अभियान के दौरान विश्वसनीय सूचना पर मोहल्ला सिपाह व चूड़ी गली साहबगंज में

दबिश दी गई। मौके पर मो0 राशिद पुत्र तेगअहमद, राजू मंशूरी पुत्र तेगअहमद निवासीगण ग्राम मोहल्ला सिपाह कस्बा मुगराबादशाहपुर थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर, अक्षत गुप्ता पुत्र अनिल कुमार गुप्ता निवासी चूडी गली साहबगंज कस्बा मुगराबादशाहपुर थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित माँझा बरामद हुआ। आरोपीगण उद्दंडता, अवज्ञा व उत्तेजना का प्रदर्शन करते हुए भीड़ में अराजक स्थिति उत्पन्न करने लगे। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु उक्त तीनों को आज दिनांक 12.12.2025 को लगभग 12:50 बजे धारा 170/126/135 बीएनएसएस में विधिसम्मत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को आवश्यक कार्यवाही उपरांत माननीय उपजिलाधिकारी मछलीशहर के समक्ष प्रेषित किया जा रहा है।

स्कूल रेडीनेस फेज-1 के प्रथम बैच के प्रशिक्षण का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने रजा डी.एम. शिया इंटर कॉलेज के सभागार में स्कूल रेडीनेस फेज-1 प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया। कार्यक्रम दो बैचों में आयोजित होना है, जिसमें प्रथम बैच के तहत मुफ्तीगंज, मुंगराबादशाहपुर, नगर क्षेत्र, रामनगर, रामपुर, शाहगंज, सिकरारा, सिरकोनी, सुईथाकला एवं सुजानगंज

विकास खंडों के नोडल शिक्षण संकुल, आंगनबाड़ी, सुपरवाइजर तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां शामिल हुई। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परिषदीय विद्यालयों में बाल वाटिका स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की शुरूआत की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक संचालित होने वाला यह फेज बच्चों को प्री-प्राइमरी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ. गोरखनाथ पटेल ने प्रेरित करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि जिस देश के नौनिहाल बचपन से ही शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ जाते हैं, उसे विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल कुमार ने मुख्य अतिथि का बुके एवं अंगवस्त्र से सम्मान किया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन डायट प्रवक्ता अमित कुमार, एसआरजी डॉ. कमलेश एवं अजय कुमार मौर्य ने किया।

संत निरंकारी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा गौरवशाली उपलब्धियों का भव्य उत्सव आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संत निरंकारी शैक्षणिक संस्थान, शैक्षिक उत्कृष्टता एवं विशिष्ट योगदान की मान्यता का उत्सव मनाते हुए गर्व की अनुभूति कर रहे हैं। इसी क्रम में संत निरंकारी पब्लिक स्कूल, अवतार एन्क्लेव ने अपनी 30 वर्षों की सफल शिक्षण-यात्रा एवं चरित्र-निर्माण की गौरवशाली परंपरा का भव्य उत्सव आयोजित किया।

यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि यह विशेष कार्यक्रम ताल कटोरा इनडोर स्टेडियम, विलिंगडन क्रेसेंट रोड, नई दिल्ली में संपन्न हुआ, जिसमें किताबें करती हैं बातें विषय को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर निरंकारी मिशन के प्रतिभाशाली छात्रों ने विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा अपने कौशल, अनुशासन और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में संत निरंकारी मिशन की सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय और प्रेरणादायी रही। सतगुरु माता जी ने अपने प्रेरक संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों के प्रबंधन, कर्मचारियों और छात्रों के सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक प्रगति नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में एक अच्छा और संवेदनशील मनुष्य बनना है।

सतगुरु माता जी ने यह भी प्रेरणा दी कि चाहे बच्चे पढ़ाई के क्षेत्र में हों, खेल-कूद में

शैक्षिक उत्कृष्टता समारोह

हों या भविष्य में कोई भी करियर चुने सबसे पहले चयन मानवता, नैतिक मूल्यों और इंसानियत की भावना से प्रेरित होकर होना चाहिए। बच्चों की आज की उपलब्धियाँ और पुरस्कार उनकी मेहनत, आत्मविश्वास का परिणाम हैं। सतगुरु माता जी ने अंत में कहा कि हर बच्चा तरक्की और आध्यात्मिक उत्थान के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ता जाये।

कार्यक्रम में आदरणीय जोगिन्दर सुखीजा जी, सचिव शिक्षा विभाग प्रभारी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी प्रबंधन और समर्पित कर्मचारियों के मार्गदर्शन में संत निरंकारी पब्लिक स्कूलों ने सदैव विद्यार्थियों के लिए एक स्नेहपूर्ण, संतुलित एवं मूल्याधारित सर्वांगिण विकास

वातावरण का निर्माण किया है, जहाँ शिक्षा के साथ-साथ प्रेम, सहानुभूति, करुणा, अनुशासन और मानवता के गुणों को भी समान रूप से महत्व दिया जाता है।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती रमन सिंह मनहास, शिक्षा समन्वयक, संत निरंकारी मंडल, के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने कहा बताया कि वार्षिक दिवस कार्यक्रम का आयोजन संत निरंकारी पब्लिक स्कूल, अवतार एन्क्लेव, नई दिल्ली द्वारा किया गया, जिसमें संत निरंकारी शैक्षणिक संस्थानों की उत्साही एवं व्यापक भागीदारी रही। कार्यक्रम में प्रतिभागी रूप में शैक्षणिक संस्थान में संत निरंकारी पब्लिक स्कूल निरंकारी कॉलोनी, तिलक नगर, गोविंदपुरी, मालवीय नगर, नई दिल्ली। इसके अतिरिक्त संत निरंकारी पब्लिक स्कूल फरीदाबाद, (हरियाणा) एस. एन. पब्लिक हाई स्कूल, लुधियाना, (पंजाब) एस.एन.सी.एफ. स्कूल, कालेवाल बीट, होशियारपुर, (पंजाब), संत निरंकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निरंकारी कॉलोनी, दिल्ली, संत निरंकारी बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निरंकारी कॉलोनी, दिल्ली, संत निरंकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पहाड़गंज, नई दिल्ली की भागीदारी रही।

कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती रमन सिंह मनहास ने सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के आयोजन में सम्मिलित होने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही संस्थान के प्रबंधन, कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्रों तथा उनके परिजनों का कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर धन्यवाद किया।

इस गरिमामय आयोजन के अवसर पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी ने मिरर-ए-रिफलेक्शन पुस्तक का शुभ विमोचन किया। यह पुस्तक ज्ञान, आत्मचिंतन और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने वाली महत्वपूर्ण कृति के रूप में प्रस्तुत हुई, जिसके विमोचन ने कार्यक्रम की आध्यात्मिक महत्ता को और भी विशेष बना दिया। निसंदेह यह वार्षिक दिवस समारोह छात्रों की रचनात्मकता, प्रतिभा एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रबंधन के सतत प्रयासों एवं समर्पण को भी सम्मानित कर रहा है।

पुलिया में मिला ऑटो चालक का रहस्यमय शवः परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एडीसीपी वैभव बांगर के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम ने की जांच

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब थाना क्षेत्र के जक्खिनी पुलिस चौकी अंतर्गत शाहंशाहपुर राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र (गौशाला) के पास रोड पर बने एक पुलिया में गुरुवार सुबह 45 वर्षीय ऑटो चालक पप्पू राजभर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल

गई। स्थानीय लश्करिया निवासी पप्पू राजभर बुधवार सुबह घर से निकले थे, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटे। गुरुवार सुबह उनका शव पुलिया में मिलने की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। परिवार वालों ने शव को घर लाते ही कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी शकुंतला, मां श्यामप्यारी, दो पुत्र राहुल और रोहित, और दो पुत्रियां रीति व पुष्पा सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक दो भाइयों में बड़े थे और ऑटो चलाकर ही अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

एडीसीपी गोमती जोन वैभव बांगर ने संभाला मोर्चाः गंभीरता को देखते हुए, घटना की सूचना मिलते ही एडीसीपी गोमती जोन वैभव बांगर तुरंत हरकत में आए। वह अपनी टीम और फॉरेंसिक टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

देर रात चली गोलियों की गूँज में मिर्जापुर पुलिस ने बचाए 37 गोवंश, मुठभेड़ एक गौ-तस्कर अस्पताल में भर्ती

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। मिर्जापुर पुलिस की तड़के हुई गौ-तस्करों से मुठभेड़ में एक को घायल होना बताया गया है। नरायनपुर व अदलहाट थाना पुलिस के साथ भोर में शेरपुर गांव के पास हुए मुठभेड़ में एक गौ-तस्कर घायल हो गया, जबकि गाय एवं बैल से भरी एक डीसीएम को बरामद कर लिया गया है? घायल पशु तस्कर को जिला अस्पताल भेज कर मौके से डीसीएम में क्रूरता पूर्वक बांधकर वध के लिए ले जाए जा रहे 37 बरामद गोवंश को गौशाला को सुपूर्द किया गया है। पुलिस टीम ने पशु तस्कर से प्रयुक्त अवैध तमंचा व कारतूस भी बरामद किया है।

पशु तस्कर रीवा (मध्यप्रदेश) से जा रहें थें बिहारः बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के नेतृत्व में पशु तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना अदलहाट पुलिस टीम को सफलता हाथ लगी।

11/12 दिसंबर 2025 की रात्रि में थाना अदलहाट पुलिस को मुखबीर के जरिए सूचना मिली कि एक डीसीएम पर गोवंश लादकर रीवा (मध्यप्रदेश) से बिहार ले जाया जा रहा है 'अदलहाट पुलिस थाना टीम द्वारा डीसीएम का पीछा किया गया तो शेरपुर तिराहे के पास डीसीएम को खड़ी कर दो पशु तस्कर डीसीएम से नीचे उतरकर गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया।

परन्तु पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही की गयी, जिसमें एक गो-तस्कर के बाएं पैर में गोली लगी है, जबकि दूसरा गो-तस्कर भागने में सफल रहा। पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार अफजाल अहमद 40 वर्ष पुत्र साबिर अली निवासी मुरादपुर थाना सिधौली जनपद हापुड़ को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है, जहां उसकी स्थिति सामान्य है।

पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार गौ तस्कर के पास से घटना में प्रयुक्त 1 अवैध तमंचा 315 बोर, 2 जिन्दा व 2 खोखा कारतूस 315 बोर तथा मौके से डीसीएम वाहन संख्याः यूपी37 बीटी4013 में क्रूरता पूर्वक बांधकर वध हेतु ले जाए जा रहे 37 राशि गोवंश बरामद किया गया है। उक्त पुलिस मुठभेड़ एवं गिरफ्तारी, बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अदलहाट पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई है।

रीता बहुगुणा जोशी ने 12 क्रिएटिव वूमेन्स को किया सम्मानित

◆ क्रिएटिव वूमन्स अवार्ड शो-2025

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। क्रिएटिव वुमन्स अवार्ड शो 2025 का आयोजन खानम आर्ट गैलरी में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रीता बहुगुणा जोशी पूर्व मंत्री और सांसद ने महिलाओं के हौसलों को बढ़ाया और कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में बहुत आगे जा रही हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. राज बावेजा, प्रोफेसर नासे उस्मानी, डॉ. सरोज ढींगरा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि आयोजक डॉ.जाहेदा खानम व उनकी खानम आर्ट गैलरी महिलाओं की क्रिएटिविटी को बढ़ाने और समाज को विकसित करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। क्रिएटिव वूमन अवार्ड पाने वाली शख्सियत में डॉ. जाहेदा खानम- आयोजक और निदेशक खानम आर्ट गैलरी,सलीहा मदानी- प्रिंसिपल द पाम अकेडमी, डिपार्टमेंट ऑफ फाइन आर्ट, एमजीकेवीपी, वाराणसी तथा डॉ सूबिया करीम अंसारी प्रोफेसर और

डॉ.अलवीना फारूकी- प्रोफेसर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, डॉ. गजाला इकबाल- गायनेकोलॉजिस्ट न्यू सहारा हॉस्पिटल,डॉ. नफीसा बानो- पूर्व हेड ऑफ उर्दू और एसोसिएट प्रोफेसर वसंत कॉलेज फॉर वुमन्स, राजघाट बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, डॉ. सारा मुख्तार- डायरेक्टर, अमान नर्सिंग होम, शकुंतला चंद्रा- सोशल वर्कर,सबा बानो- स्वीट बेकरी, मंजूला चतुवेर्दी- प्रोफेसर और हेड, सांस्कृतिक प्रमुख बायोकेमेस्ट्री विभाग एमएलएन मेडिकल कॉलेज प्रयागराज व अध्यक्ष के एम सी हॉस्पिटल करेली समन्वयक को मुख्य अतिथि रीता बहुगुणा जोशी ने अपने कर-कमलों से सम्मानित किया। गैलरी के मीडिया प्रभारी मशहूर चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि खानम आर्ट गैलरी प्रत्येक वर्ष पूरे भारत से 12 क्रिएटिव वूमेंस को उनके किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित करती आ रही है।

चार अन्तर्राज्यीय चोर पुलिस मुठभेड़ में घायल/गिरफ्तार, दो ट्रैक्टर बरामद

चोरी के ट्रैक्टर बनारस के चोलापुर में ले जाकर कटवाने के फिराक में थे चोर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद और गाजीपुर जनपद के थाना खानपुर पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के दौरान बहेरी रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई मुठभेड़ में चार अन्तर्राज्यीय शातिर चोरों को घायल/गिरफ्तार किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हरिहरपुर व बिहार के दुर्गावती से चोरी हुए दो ट्रैक्टर चोलापुर, वाराणसी ले जाए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा रोकने पर आरोपियों ने ट्रैक्टर पुलिस टीम पर चढ़ाने का प्रयास किया और फायरिंग भी की। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी। मौके से एक अवैध तमंचा, जिंदा-खोखा कारतूस और दोनों चोरी के ट्रैक्टर बरामद हुए। घायल आरोपी को इलाज के लिए भेजा गया तथा अन्य तीन को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने पी0एम0 श्री विद्यालय डीहजहानिया का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में नामांकन 294 के सापेक्ष 254 बच्चें मिले उपस्थित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अवगत

कराया है कि 12 दिसम्बर 2025 को पी0एम0 श्री विद्यालय डीहजहानिया, विकासखण्ड-सिकरारा विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में नामांकन 294 के सापेक्ष 254 बच्चें उपस्थित थे। विद्यालय में आज मेन्यू के अनुसार तहरी तैयार था, जिसे बच्चों के साथ बैठकर मंत्रोचार के पश्चात एम0डी0एम0 एवं दूध ग्रहण किया गया। सभी छात्रों को प्रतिदिन हाथ धुलवाकर भोजन ग्रहण कराने हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया। विद्यालय में गठित बाल संसद 09 मंत्री के रूप में छात्रों से संवाद किया गया। जिसमें सांस्कृतिक मंत्री के रूप में दिपांशी प्रजापति कक्षा 07 छात्रा से बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के विषय में बोलने पर कहा गया, जिस पर छात्रा दिपांशी प्रजापति ने बेबाकी से जबाव दिया। विद्यालय में पठन-पाठन, साफ-सफाई एवं अन्य गतिविधियां सही पाया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में समस्त अध्यापक उपस्थित पाये गये।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
अन्य ब्लड जाँच पर 50% डिस्काउन्ट
मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	5600/- Free

BAJAJ
ए. एम. बजाज
प्रो अब्दुल माजिद | मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

125 बण्डल अवैध प्रतिबन्धित चाइनीज माँझा के साथ एक गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर मोहल्ला बोदकरपुर मे स्थित आरोपी की किराना/पतंग कि दुकान से अभियुक्त मो0 इब्राहिम उर्फ पप्पू अट्टा पुत्र स्व0 मो0 फारूख उर्फ नवाब निवासी बोदकरपुर थाना कोतवाली जौनपुर को 125 बण्डल अवैध प्रतिबन्धित चाइनीज माँझा कुल 61.458 कि0ग्रा0 के साथ गिरफ्तार किया गया जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 367/2025 धारा 223 बी/293/125 बीएनएस व 5/15 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम-1986 पंजीकृत किया गया है विधिक कायार्वाही कि जा रही है ।

एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स - 2025 सफलतापूर्वक पूरा किया

पटना(उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक ग्रुप ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स 2025 के चौथे संस्करण को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें छह सेक्टर के 10 विजेताओं और उभरती महिला फाउंडर्स के लिए दो स्पेशल रिकग्निशन अवॉर्ड्स की घोषणा की गई। एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स-2025 को एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी कैपिटल और एचडीएफसी एएमसी ने मिलकर आयोजन किया था, जिसमें ग्रुप की दूसरी कंपनियों झ एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी एर्गो, एचडीएफसी सिक्योरिटीज और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारत के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट किया। इस एडिशन में देश के 290 से ज्यादा शहरों के 1600 से अधिक स्टार्टअप्स ने रूचि दिखाई थी। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड (ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर) आशीष पार्थसारथी ने कहा कि आज यहां स्टार्टअप्स को पहचान देना और भारत की अगली पीढ़ी की कॉर्पोरेशन बनने की उनकी यात्रा में उनका सपोर्ट करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। एक बैंक के तौर पर, हम इकोसिस्टम को बेस्ट-इन-क्लास प्रोडक्ट सर्विसेज देने की लगातार कोशिश करते हैं। एचडीएफसी एएमसी के एमडी और सीईओ, नवनीत मुनोत ने कहा कि आज इनोवेशन इंसानी तरक्की के हर पहलू, फाइनेंस और हेल्थकेयर से लेकर डीप टेक, स्पेस टेक्नोलॉजी और फ्रंटियर साइंस तक को बदल रहा है। एचडीएफसी बैंक ग्रुप में, हम खुद को भारत की इनोवेशन यात्रा में लंबे समय के पार्टनर के तौर पर देखते हैं, जो उन लोगों को सपोर्ट करते हैं जो सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं और संभावनाओं को बढ़ाते हैं। एचडीएफसी कैपिटल के सीईओ विपुल रूंगटा ने कहा कि इनोवेशन और टेक्नोलॉजी, दुनिया को बदलने के सबसे अहम तरीकों में से होंगे, जो वैल्यू चेन के हर स्टेज को नया आकार देंगे। हम नई टेक्नोलॉजी पर आधारित सॉल्यूशन और भविष्य के लिए तैयार बिजनेस मॉडल के लिए अपना कमिटमेंट और गहरा कर रहे हैं।

काशी में चमका मेधावियों का भविष्य, छात्राओं का दबदबा

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। काशी की ज्ञान - भूमि पर शुक्रवार का दिन केवल एक शैक्षणिक उत्सव नहीं था, बल्कि भावनाओं, उपलब्धियों और नए संकल्पों की उजली सुबह था। बीएचयू का 105वां दीक्षांत समारोह स्वतन्त्रता भवन में ऐसे सजा कि मानो परंपरा और आधुनिक शिक्षा एक ही सूत्र में पिरोकर छात्रों की जीवन - यात्रा को शुभाशीष दे रही हों। मंच पर पवित्रता का आभास, सभागार में उमड़ता उत्साह और हजारों विद्यार्थियों के चेहरों पर उजली उम्मीदें, यह सब मिलकर वाराणसी को एक अद्भुत अध्यात्मिक - शैक्षणिक उत्सव में बदल रहे थे। दीक्षांत समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ. वी.के. सारस्वत, कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुवेर्दी, रेक्टर और कुलसचिव द्वारा महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि से हुई। मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ और स्वतंत्रता भवन का विशाल सभागार दीक्षांत की गौरवमयी ऊर्जा से निखर उठा। अग्रेजी व तत्पश्चात हिंदी परिचय के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। कुलपति ने 29 गोल्ड मेडलिस्ट को अंग्रेजी में शपथ दिलाई और शिष्ट मंडल ने 544 मेडल एवं उपाधियों की औपचारिक घोषणा की। मंच पर उपाधियां प्राप्त करते वक्त छात्रों के चेहरे पर गर्व और उपलब्धि की चमक देखते ही बनती थी। इस वर्ष बीएचयू ने कुल 13,650 डिग्रियां प्रदान कीं, 7449 स्नातक, 5889 स्नातकोत्तर, 712 पीएचडी, 4 एमफिल, 1 डीएससी. जो छात्र उपस्थित नहीं हो सके, उनकी उपाधियां एक महीने के भीतर पंजीकृत डाक से उनके घर पहुंचा दी जाएंगी। विश्वविद्यालय के 16 संकायों में ज्ञानोत्सव का यह विशाल आयोजन एक अद्भुत दृश्य बनकर सामने आया। समारोह का सबसे उल्लासपूर्ण क्षण तब था जब मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। कुल 29 टॉपर्स को 33 गोल्ड मेडल मिले, और इस बार भी छात्राओं ने शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराया, 29 में से 20 मेधावी छात्राएं, 33 में से 28 पदक छात्राओं के नाम, एक छात्र अनुपस्थित, प्रमुख मेडल विजेता :- तुईन पर बीपीए (इंस्ट्रूमेंटलइबांसुरी), चांसलर मेडल, अनुराधा द्विवेदी एम.ए. संस्कृत, चांसलर मेडल, उनके चेहरे पर चमक और परिवारों के आनंदित चेहरे बीएचयू के गौरव को और ऊंचा कर रहे थे। कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुवेर्दी ने विद्यार्थियों को सत्य, नैतिकता, सेवा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा बीएचयू के विद्यार्थी जहां भी जाएं, अपने ज्ञान, कर्म और संस्कृति से देश का मान बढ़ाएं। ये शब्द सभागार में बैठे हर युवा के भीतर एक नई ऊर्जा और जिम्मेदारी जागृत कर रहे थे।

दिनदहाड़े गोली मारकर मौलाना की हत्या

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। यूपी के रायबरेली में बेटी को ससुराल से लेकर घर लौट रहे मौलाना मुर्तजा (45) की शुक्रवार दोपहर बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक के बाद दो गोली मौलाना के कनपटी पर मारी गईं। बेटी और बेटे ने भागकर जान बचाई, वरना हमलावर उनकी भी हत्या कर देते। दिनदहाड़े हुई वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। पिता-पुत्र ने चार साथियों के साथ मिलकर रंजिश में वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अफसरों ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं। मृतक के चचेरे भाई की तहरीर पर पिता-पुत्र समेत छह हत्यारोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नसीराबाद थाना क्षेत्र के उत्तरी पाठक मजरे बिरनावां गांव निवासी मौलाना मुर्तजा पुत्र मुस्तफा पूरे जालिम गांव स्थित मदरसा में शिक्षक थे। शुक्रवार को वह अपने बेटे मो. सोफियान के साथ बड़ी बेटी इशरतजहां की ससुराल सरदार का पुरवा मजरे रोखा गांव आए थे। दोपहर बाद शाम करीब 3 बजे बाइक से बेटी इशरजहां को लेकर घर जा रहे थे। बेटा सोफियान दूसरी बाइक से उनके पीछे था। सीएचसी, डीह स्थित नहर के पास सुनसान पड़ता है।

पहले से घात लगाए बैठे छह हमलावरों ने नहर के पास मौलाना को रोक लिया। डर के मारे मौलाना भागे तो हमलावरों ने उन्हें दौड़ा लिया। कुछ दूरी पर जाकर हमलावरों ने गोली मारकर मुर्तजा की हत्या कर दी। वहीं बेटा-बेटी भाग खड़े हुए। कुछ दूर जाकर घटना की सूचना पुलिस को दी। मौलाना की हत्या की वारदात की जानकारी पर पुलिस अफसर व कई थानों की पुलिस टीम के अलावा फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। मृतक के चचेरे भाई मो. हफीज के मुताबिक दो साल पहले खड़ंजा लगाने को लेकर गांव निवासी अयूब से मारपीट हो गई थी। दोनों पक्षों के खिलाफ नसीराबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

विंटर टेल्स 2025 शिलांग में शुरू, स्थानीय शिल्प, स्थिरता और समुदाय का उत्सव

मुंबई/शिलांग। विंटर टेल्स 2025 का छठा संस्करण शिलांग के वॉर्ड्स लेक में शुरू हुआ। यह आयोजन पर्यटन विभाग, मेघालय सरकार की पहल है, जिसे द मेघालयन एज लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया है और डाक-ति द्वारा संजोया गया है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 13 दिसम्बर 2025 तक चलेगा। इस वर्ष का विषय नर्चर है, जो संस्कृति, शिल्प, समुदाय और भूमि के आपसी सम्बन्धों को दशार्ता है। यह बताता है कि किस प्रकार स्थानीय जीवनशैली और परम्पराएँ पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहती हैं। विंटर टेल्स 2025 की अवधारणा पाँच उँगलियों के प्रतीक पर आधारित है, जो यह दिखाती है कि हाथ ही वे साधन हैं जो कहानियाँ कहते हैं, समुदाय बनाते हैं और परम्पराओं को सँजोकर रखते हैं।

उद्घाटन दिवस की शुरूआत माननीय पर्यटन मंत्री टिमोथी डी. शिरा द्वारा स्थल के भ्रमण से हुई। उनके साथ कई कारीगर, उद्यमी और बच्चों के क्नेर शा की कोरस दल का मनमोहक प्रस्तुति भी हुई।

उद्घाटन समारोह में माननीय पर्यटन मंत्री शिरा ने कहा कि यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि लोगों की कला और परम्पराओं से जुड़ा एक सांस्कृतिक आन्दोलन है। उन्होंने इस वर्ष के विषय पाँच उँगलियाँ के बारे में बताते हुए कहा कि यह मेघालय की उस भावना को दशार्ता है जहाँ हाथ बनाते हैं, पकाते हैं, गाते हैं, महसूस करते हैं और निर्माण करते हैं– यह सिर्फ आजीविका नहीं, बल्कि विरासत और निरन्तरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा,मेघालय में संस्कृति मंच पर नहीं, बल्कि कारीगरों के हाथों में जीवित रहती है। उन्होंने उत्सव में बांस, जूट और मिट्टी जैसी स्थानीय और प्राकृतिक सामग्री के उपयोग की सराहना करते हुए कहा, हमें गर्व है कि यह उन चुनिंदा बड़े सार्वजनिक आयोजनों में से है जहाँ कचरा बेहद कम, प्लास्टिक न्यूनतम और प्रकृति के प्रति सम्मान सबसे अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल पर्यटन नहीं, बल्कि ज्ञान साझा करना, समुदाय को सशक्त बनाना और जीवित विरासत है, और सरकार सृजनात्मक समुदाय को पूरा समर्थन देती रहेगी। दर्शकों ने प्रसिद्ध स्थानीय कलाकार पदूह अकी के विशेष प्रस्तुति और शिलांग परिधान समुदाय के आकर्षक कार्यक्रम का भी आनंद लिया। कार्यशाला मंच पर कई रोचक सत्र और पुस्तक विमोचन हुए, जिनमें फ्रॉम शिलांग टू सैगॉन, बाजार संस्कृति के संगम पुस्तक का विमोचन शामिल था। इसके साथ ही पोषण विशेषज्ञ हाबारी वारजरी का सत्र और निकोलस खारनामी (आर.जे. निक्की) का कचरा प्रबन्धन में सामूहिक जिम्मेदारी विषय पर सत्र भी आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन 14 को

प्रणीत तिवारी

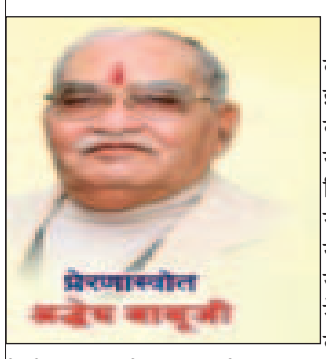

इंदौर (उत्तर शक्ति) श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा इंदौर द्वारा परम्परा अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्व ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन दिनांक 14 दिसंबर 2025 दिन रविवार को स्थल नरसिंह वाटिका, यरोड्रम रोड इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। इस गरिमामय आयोजन में सभी ब्राह्मणगण उपस्थित हो कर कार्यक्रम को सफल बनाएं, ब्राह्मणों के प्रेणा सुत्र श्रद्धेय बाबूजी के इच्छा अनुसार किया जाता है। यह आयोजन अध्यक्ष पूर्व विधायक पंडित संजय शुक्ला, पं संरक्षक कृपाशंकर शुक्ल, महामंत्री अनुपम वाजपेई (अन्नू) , कार्यक्रम प्रभारी पंडित प्रकाश वाजपेई, आयोजन समिति के पदाधिकारी सुनील अवस्थी, पं ब्रजेश शुक्ला, ओमप्रकाश शुक्ला , बिजेंद्र दिक्षित, समृद्ध अवस्थी , धीरज शुक्ल , पंकज तिवारी , योगेश शुक्ला , अजय पाण्डेय , संजीव पांडेय , अमित दुबे , मयंक तिवारी , विकास शुक्ला तथा सभी पदाधिकारियों के तरफ से आयोजित किया गया है, परिचय सम्मेलन के पश्चात ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया है। जानकारी प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से प्रणीत तिवारी ने दी है।

कैंसर के विषय में जागरूकता फैलाने और पहचान के लिए इनटीग्रेटेड कैंसर केयर प्रोग्रेम की शुरूआत की

मुंबई। इंडियन कैंसर सोसायटी (आईसीएस) के तत्वाधान में और एचडीएफसी परिवर्तन, सतारा के स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शुरू की जा रही सामुदायिक पहल के तहत, सतारा जिले में कैंसर को लेकर जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाएगा। जागरूकता अभियान के तहत सतारा, कराड, जवाली और पाटन तालुका में बीमारी की जांच का काम किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सतारा स्वास्थ्य विभाग, जिला परिषद के माध्यम से करेगा जिसममें मेडिकल अफसरों, कम्युनिटी हेल्थ अफसरों और फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्करों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे सतारा जिले के विभिन्न तालुकों में जाकर लोगों को कैंसर जैसे असाध्य रोग के विषय में जानकारी दे सकें। इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत लोगों के ओरल, ब्रैस्ट और सर्वाइकल कैंसर की मुफ्त जांच की जाएगी, ताकि कैंसर से जुड़े हर पहलुओं को जांचा परखा जा सके। इस कार्यक्रम को सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों के आधार पर तय किया गया है जिसमें पिछड़े समुदायों को विशेष रूप से ध्यान में रखने की बात कही गई है। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों तक सामुदायिक जागरूकता सत्रों के माध्यम से और पांच लाख लोगों से निजी तौर पर मीडिया के माध्यम से सतारा जिले के कराड, पाटन और जवाली तालुका तक कैंसर के विषय में जागरूकता फैलाना है। इंडियन कैंसर सोसायटी की नेशनल मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती ऊषा थोरात ने कहा, कि एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के सहयोग से चलने वाला यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि कैंसर के खिलाफ हमारा साझा संघर्ष है। कैंसर के बारे में जागरूकता, कैंसर के खतरे, कैंसर की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले कदम, और पहले से ही जानकारी हो जाना ये सारी बातें लोगों को जाननी बहुत जरूरी हैं, ताकि वे कैंसर का मुकाबला बीमारी की शुरूआत से ही कर सकें। सतारा के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. महेश खलीपे ने कहा की इस प्रोजेक्ट से मेडिकल अफसरों, कम्युनिटी हेल्थ अफसरों और फ्रंटलाइन वर्करों की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी, जो समाज के हर तबके में जाकर सामान्य कैंसर के विभिन्न रूपों जैसे ओरल कैंसर, ब्रैस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के बारे में ताजातरीन जानकारी दे सकेंगे। इससे कैंसर की पहचान शुरूआती चरण में करनी संभव हो जाएगी और कैंसर होने की पीड़ा को कम किया जा सकेगा।

राहगीरों के साथ साथ दुकानदारों को जलजमाव से बढ़ी परेशानी

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान जिला महाराजगंज अनुमंडल अंतर्गत नखास चौक से लग भग 100 मीटर की दूरी पर जो की मांझी बरौली मेन रोड है। वहां पानी का बहाव जारी है। उस रोड से काफी संख्या में गाड़ियों का आवा गमन देर रात चलता रहता है। वहीं दुकानदारों के दुकान के सामने उनके ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे हैं। साथ ही गाड़िया स्पीड से गुजरती है। तो गंदा पानी का छींटे दुकानों पर चला जाता है। महीनों से चल रहे इस समस्या का समाधान के लिए अब तक किसी भी विभाग का कोई भी प्रतिनिधि कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। नगर पंचायत या कोई जनप्रतिनिधि देखने तक नहीं आया है। जिसके कारण दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुकानदारों व व्यवसाईयों का कहना है कि, अगर इसका जल्द से जल्द समाधान नहीं हुआ तो हम लोग धरना प्रदर्शन करेंगे।

माटी की विभूतियों का समारोह पूर्वक हुआ सम्मान

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के बंगरा गांव स्थित रघुबीर सिंह पुस्तकालय सह वाचनालय परिसर में देर शाम गुरुवार को डॉक्टर मन्नू राय शिक्षक द्वारा तैयार पुस्तक माटी की विभूति समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वतंत्रता सेनानी मुंशी सिंह जी द्वारा पुस्तक सम्मान समारोह का शुभारंभ किया गया। वही पुस्तकालय सह वाचनालय परिवार के मानद सदस्य शिक्षक कुमार राजकपूर टीपू ने पुस्तक विषय वस्तु पर संक्षिप्त में बताया कि सिवान की माटी की विभूतियां पुस्तक आजादी के गुमनाम नायकों का एक छोटा सा संग्रह है जिनमें से नई पीढ़ी के लिए काफी लाभकारी है। कार्यक्रम में शामिल बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक

संघ के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुस्तक का अध्ययन करने से मालूम होता है कि धरोहर, असल पहचान की भूमि है जिला सिवान खासकर बंगरा गांव की माटी। विरल विभूति सेनानी स्व रघुबीर सिंह, सिवान के भगत सिंह जनाब सैयद सज्जाद हसनैन, अगस्त क्रांति के प्रथम शहीद उमाकांत सिंह, महाराजगंज क्रांति के प्रथम शहीद फुलेना प्रसाद, शहीद देवशरण सिंह सहित लगभग 75 नायकों का दर्शन कराता है। पुस्तक समारोह में शामिल रहे जुडेश्वर पाण्डेय, भास्कर सिंह, उप मुख्यमंत्री कौशल्या देवी, दिव्य उपाध्याय, ऋतिक कुमार, तुषार कुमार, व्यास सिंह पुस्तकालय सह वाचनालय के नामांकित छात्र।

एनएच के किनारे ट्रामा सेंटर स्थापित करने का सांसद ने लोस में उठाए सवाल

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार से 19-महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में नियम-377 के अधीन अपने क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-531 के किनारे एकमा एवं एन-एच-331 के किनारे भगवानपुर हाट में एक-एक ट्रामा सेंटर स्थापित करने का मामला उठाते हुए निमन्न बातें सदन के पटल पर 12 दिसंबर को लोकसभा में राखी। सांसद ने लोकसभा में कहा है कि मेरे क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-531 (NH-531) के किनारे जिला-सारण (छपरा) में एकमा तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-331 (NH-331) के किनारे जिला-सिवान में भगवानपुर हाट स्थित है ' यह दोनों स्थल मेरे संसदीय क्षेत्र का अतिव्यस्ततं बाजार है ' उपर्युक्त

राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रतिदिन हजारो-हजार की संख्या में अनेको प्रकार के वाहनों का आवागमन होता है ' इस परिस्थिति में आये दिन कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है ' जिसमे तत्काल उचित उपचार के अभाव में कई दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की मृत्यु भी हो जाती हैं ' क्योकि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों के ईलाज हेतु ट्रामा सेंटर जैसे कोई अस्पताल की सुविधा नहीं है ' विदित हो कि मैने इसी सत्र में इस विषय को शून्य काल के दौरान महोदय के सामने रखा था। सांसद सिग्रीवाल ने लोकसभा अध्यक्ष के माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया है कि संसदीय क्षेत्र महाराजगंज के एन-एच-531 के किनारे एकमा एवं एन-एच-331 के किनारे भगवानपुर हाट में एक-एक ट्रामा सेंटर स्थापित किया जाये ताकि आये दिन दुर्घटनाओं में अतिगंभीर रूप से घायल मरीजों का तत्काल उचित उपचार कराके उनका जीवन बचाया जा सके।

रणजीत हनुमान की यात्रा में दर्शन करने पहुंचे लाखों भक्तगण

प्रेम चंद मिश्रा

इंदौर (उत्तरशक्ति)। यह मंदिर 125 वर्ष पूर्व स्थापित किया गया था। ऐसा माना जाता है कि कई राजा युद्ध से पहले विजय का आशीर्वाद लेने यहां आते थे और आज तक किसी को भी आशीर्वाद लेने के बाद हार का सामना नहीं करना पड़ा है , हनुमान जयंती जैसे त्योहार और बड़े उत्साह से मनाए जाते हैं कहा जाता है कि यहां मांगी हुई प्रत्येक मनोकामना पूर्ण होती है प्रभात फेरी के दौरान सौ से ज्यादा पंडाल लगाए गए थे जहां से जय श्री राम जय बजरंगबली के जय घोष के साथ पंडालों से फूलों की वर्षा की जारही थी। रंजीत अष्टमी की मौके पर इंदौर के फूटी कोठी रोड पर स्थित रणजीत हनुमान मंदिर से रंजीत बाबा की विशाल प्रभात फेरी सुबह 5:00 से इंदौर के पश्चिम क्षेत्र स्थित प्राचीन और श्रद्धा के केंद्र रणजीत हनुमान मंदिर से दिनांक 12 दिसंबर 2025 दिन शुक्रवार तड़के प्रभात फेरी की शुरूआत हुई इस पावन यात्रा में लगभग 1 लाख से ज्यादा लोगों ने भाग लिया प्रभात फेरी रणजीत हनुमान मंदिर से शुरू होकर द्रविड़ नगर, रणजीत हनुमान रोड , महुनाका चौराहा, अन्नपूर्णा रोड , महावर नगर, उषा नगर चौराहा , दशहरा मैदान के सामने स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर से गुजरते हुए नरेंद्र तिवारी मार्ग और आदित्य नर्सिंग होम के पास से वापस रणजीत हनुमान मंदिर पर संपन्न हुई मंदिर संस्था के तरफ से डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध था । यह जानकारी प्रणीत तिवारी ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

पंचायत भवन गांव के विकास का प्रमुख केंद्र : एम पी सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पंचायत भवन गांव के विकास का प्रमुख केंद्र है। सारे विकास के कार्य यही से संचालित होते है।यह बातें शुक्रवार को सिरकोनी ब्लॉक के गोधना गांव में नवनिर्मित पंचायत भवन के लोकार्पण पर बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए सीआरपीएफ के पूर्व आईजी एमपी सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने बड़े से बड़े तनाव विवाद को पंचायत के जरिए सुलझा लेते थे।आज हमे भी जागरूक होकर गांव के विवादों को मिल बैठकर निपटाना चाहिए।बतौर विशिष्ट अतिथि बोलते हुए समाजसेवी व वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञानप्रकाश सिंह ने कहा कि इस पंचायत भवन से गांव के विकास को दिशा मिलेगी।पंचायत विभाग के कर्मचारी यहां रहकर गांव के लोगों को योजनाओं का लाभ देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक प्रमुख सिरकोनी बंशराज सिंह ने कहा कि ब्लॉक का यह सबसे सुंदर पंचायत भवन बना है। मैं अपने स्तर से गांव के विकास कार्य मे मदद करूंगा।कार्यक्रम को समाजसेवी आशुतोष सिंह,डी आर सिंह,फिरोज खान चेयरमैन कजगाव,वंशलोचन सिंह,सीबी सिंह आदि ने सम्बोधित किया।सभी ने प्रधान प्रतिनिधि सुनील सिंह को अच्छा पंचायत भवन बनवाने के लिए प्रसंसा किया।इसके पूर्व अतिथियों ने फीता काटकर पंचायत भवन का लोकार्पण किया।कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिंह नत्थू ने किया। इस मौके पर संतोष सिंह भोले, आशुतोष मौर्य,सरविन्द यादव,वंशराज मौर्य,जितेंद्र सिंह,चंचल सिंह,मुन्ना सिंह सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नालासोपारा के पूर्व नगरसेवक चंद्रकांत गोरीवाले भाजपा में शामिल

वसई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर नालासोपारा के बहुजन विकास आघाड़ी के पूर्व नगरसेवक चंद्रकांत गोरीवाले अपने समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हो गए। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में गोरीवाले ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। गोरीवाले के साथ बहुजन विकास आघाड़ी के संपर्क प्रमुख विकास पिटाले, युवा अध्यक्ष विपुल म्हामुनकर, अछोले मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, नितिन गोरीवाले सहित कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी कमल का दामन थामते दिखाई दिए। नए सदस्यों का भाजपा परिवार में गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विधायक राजन नाईक ने कहा कि पार्टी में उनका आगमन संगठन को और मजबूत करेगा। साथ ही उन्होंने सभी को उनके आगामी राजनीतिक सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के राज्य सचिव अशोक शेलके सहित कई अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

हार्ट अटैक से हुई थी उमानाथ सिंह की मौत : रजनीश मिश्रा

सपा नेता और संजय प्रजापति थाली वाले नजर बंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव के पिता के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन हुआ। अपनी मांगों को लेकर सपा नेता एवं छात्र सभा जौनपुर के पूर्व अध्यक्ष रजनीश मिश्रा और संजय प्रजापति थाली वाले सीएम योगी से मिलकर अपनी बात रखना चाहते थे। पुलिस ने संजय प्रजापति को मियापुर मोहल्ला स्थित उनके घर और रजनीश मिश्रा को लाइन बाजार थाना क्षेत्र के उनके निवास स्थान भुवालापट्टी से बुधवार की रात गिरफ्तार कर थाने में नजर बंद कर दिया है। सपा नेता ने बताया कि अखिलेश यादव की सरकार ने राजकीय मेडिकल कॉलेज के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया था। वर्तमान भाजपा की प्रदेश सरकार ने फर्जी तरीके उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का नामकरण कर दिया जो सरासर गलत है। उन्होंने सरकार से मांग किया कि मेडिकल कॉलेज का नाम हटाकर राजकीय मेडिकल कॉलेज किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उमानाथ के नाम से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का उमानाथ सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सदर अस्पताल, टीडी कॉलेज आदि जिले में कई सरकारी संस्थान हैं। उन्होंने सरकार से मांग किया कि और भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम हैं, जिन्होंने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन अमर शहीदों के नाम से उक्त संस्थाओं का नामकरण हो। पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा द्वारा ओबीसी आरक्षण का विरोध करते समय हर्ट अटैक से उमानाथ सिंह की मौत हो गई थी जिसे सरकार ने शहीद का दर्जा दिया। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि उमानाथ सिंह ने देश की किस सरहद पर अपने प्राणों की आहुति दी या उनको अंग्रेज की गोली से उनकी मौत हुई अथवा आजादी के लिए कब फांसी दी गई। संजय प्रजापति ने बताया कि उनकी निजी संपत्ति प्रशासन ने फर्जी तरीके से दूसरे के नाम दर्ज किया है जबकि वह उनके पूर्वजों के नाम से है। इसका परवाना भी प्रशासन द्वारा नहीं भेजा जा रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग किया कि वह संपत्ति उनके और परिवार के लोगों के नाम दर्ज होनी चाहिए। उक्त लोगों ने कहा कि योगी सरकार और प्रशासन पीड़ित और शोषित वंचित समाज को न्याय न दिला कर उल्टे उनके ही साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को जुमला बताते हुए सरकार की खोखली बयानबाजी बताया। आरोप है कि उमानाथ सिंह ने ओबीसी आरक्षण का विरोध किया था। बताया कि सरकार और प्रशासन अपनी दमनकारी नीति से लोगों के हक मारते हुए उनके साथ उत्पीड़न करने का काम कर रहे है।

दक्षिण अफ्रीका में मंदिर पर निर्माणाधीन इमारत गिरी एक की मौत

नेशनल डेस्कः दक्षिण अफ्रीका में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत बगल में स्थित मंदिर पर गिर गयी जिससे कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य लोग मलबे में फंस गए। नगर निगम अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि अधिकारियों ने फंसे हुए लोगों की संख्या नहीं बताई, लेकिन एक निजी आपातकालीन प्रतिक्रिया संगठन ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, छह लोग फंसे हुए थे। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई।

कुलिनरी एक्सप्लोरर अनुभव सप्रा ने विज्ञान और गुमराह करने वाले फूड लेबल्स के बारे में बताया

मुंबई। करारी पकौड़ी से लेकर चटपटे समोसे तक–स्ट्रीट फूड पूरे भारत में सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि एक भाव है। लेकिन हर परिपूर्ण तरीके से तला हुआ स्नैक उस तेल पर निर्भर करता है जिसमें वह तैयार किया जाता है–और इस पहलू को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। इसी विषय पर एक पॉडकास्ट सीरीज में कुलिनरी एक्सप्लोरर और दिल्ली फूड वॉक्स के संस्थापक अनुभव सप्रा को दिखाया गया है, जहाँ उन्होंने स्ट्रीट फूड में उपयोग होने वाले तेलों की भूमिका को सरल तरीके से समझाया और भ्रामक फूड लेबल्स के पीछे छिपे सच को उजागर किया। पहले एपिसोड साइलेंट हीरोः द साइंस ऑफ व्हाट वी ईट में अनुभव बताते हैं कि स्ट्रीट वेंडर्स पाम तेल का व्यापक उपयोग क्यों करते हैं। उच्च तापमान पर इसकी स्थिरता, न्यूट्रल स्वाद और लगातार एकसमान तलने की क्षमता भारतीय स्नैक्स को उनका विशिष्ट कुरकुरापन देती है। दूसरे एपिसोड में पाम ऑयल डोंट बी फूल्ड में वे नो पाम ऑयल लेबल्स की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हैं और बताते हैं कि ये टैग अक्सर उपभोक्ताओं में भ्रामक स्वास्थ्य धारणाएँ पैदा करते हैं। वे सलाह देते हैं कि उपभोक्ता पैकेट के सामने दावों पर निर्भर रहने के बजाय पूरी सामग्री सूची और पोषण तथ्यों को अवश्य पढ़ें। पाम तेल स्वाभाविक रूप से कोलेस्ट्रॉल-फ्री होता है, क्योंकि कोलेस्ट्रॉल केवल पशु-आधारित वसा में पाया जाता है। संतुलित आहार का हिस्सा बनने पर पाम तेल का रक्त कोलेस्ट्रॉल स्तर पर न्यूट्रल प्रभाव पड़ता है। इसमें टोकोट्रियनोल नामक विटामिन-ई यौगिक भी मौजूद होते हैं, जो अपने शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुणों और सेल स्तर तथा हृदय स्वास्थ्य को समर्थन देने में संभावित भूमिका के लिए पहचाने जाते हैं।

माँ काली का भव्य श्रृंगार एवं महाप्रसाद भंडारा सम्पन्न

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के ग्राम चौकियाँ जयगोपालगंज स्थित माँ काली मंदिर परिसर में गुरुवार देर शाम श्रद्धा और भक्ति भाव से भव्य श्रृंगार एवं महा भंडारा का आयोजन सम्पन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों के आगमन का सिलसिला शुरू हो गया था। पूरे दिन क्षेत्र में धार्मिक माहौल व्याप्त रहा। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर में चल रहे अखण्ड रामचरित मानस पाठ के पूणार्हुति समारोह से हुई। भक्तों ने मानस पाठ की कल्याणकारी चौपाइयों और मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्ज्वलन कर माता के दर्शन-पूजन किए। इसके उपरान्त माता काली का श्रृंगार अत्यंत वैभवशाली रूप में किया गया। मंदिर परिसर को फूलों, रंगीन झालरों और प्रकाश सज्जा से आकर्षक रूप से अलंकृत किया गया था। शाम होते ही भक्तों की भारी भीड़ श्रृंगार दर्शन हेतु उमड़ पड़ी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध लोकगीत एवं भजन गायक स्वतंत्र यादव सरगम, संतोष शर्मा मधुर, प्रियंका पाण्डेय, पारुल नन्दा, नेहा सिंह और निष्ठा ने अपने भक्तिमय गीतों से पूरा परिसर भगवामय कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुति पर उपस्थित श्रद्धालु जमकर झूमते रहे और जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

इसके उपरांत देर रात तक चलने वाले महाभंडारे में क्षेत्र तथा आसपास के गांवों से आए हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए स्थानीय युवा समिति और ग्रामवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्राम समाज, मंदिर कमेटी एवं आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, कलाकारों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। माँ काली का यह वार्षिक आयोजन इस बार भी भक्तों की अनुपम आस्था और उत्साह के बीच सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

राप्ती नदी में मिला लापता किशोर का शव, गांव में शोक की लहर

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद अन्तर्गत गौरा थाना क्षेत्र के करमहना गांव के पास राप्ती नदी में गुरुवार देर रात 16 वर्षीय दाताराम का शव बरामद किया गया। दाताराम मानसिक रूप से अस्वस्थ था और 4 दिसंबर से लापता चल रहा था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली नगर में दर्ज कराई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। किशोर की मौत की खबर से परिवार और पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

वसई तालुका के ITI को मिलेगी नई मॉडर्न बिल्डिंग, 65 करोड़ के प्रस्ताव पर बढ़ी उम्मीदें

विरार/नालासोपारा। वसई तालुका के युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। पचुबंदर में कई वर्षों से प्राइवेट बिल्डिंग में चल रहा सरकारी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (ITI) अब अपनी खुद की अत्याधुनिक और सभी सुविधाओं से लैस नई बिल्डिंग की ओर कदम बढ़ा रहा है। बढ़ते औद्योगिक विस्तार और आगामी पोर्ट डेवलपमेंट को देखते हुए यह परियोजना क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राज्य सरकार ने विरार के ब्लॉक नंबर 376 में नई ITI बिल्डिंग के लिए भूमि आवंटित कर दी है। इसी संदर्भ में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने नागपुर स्थित विधान भवन में राज्य के स्किल डेवलपमेंट व एंटरप्रेन्योरशिप मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा से विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान करीब 65 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च की औपचारिक मंजूरी हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। मंत्री लोढ़ा ने मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल प्रस्ताव तैयार कर जमा करने के निर्देश दिए। नई ITI बिल्डिंग तैयार होने के बाद वसई तालुका के सैकड़ों विद्यार्थियों को मॉडर्न ट्रेनिंग सुविधाएं मिलेंगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। विधायक राजन नाईक ने कहा कि युवाओं की प्रगति और वसई तालुका के विकास के लिए हमारी कोशिशें लगातार जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने विधायक राजन नाईक को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नागपुर। नागपुर अधिवेशन के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने सरकारी आवास रामगिरी, नागपुर में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक के साथ बैठक की। इस मुलाकात के अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधायक राजन नाईक को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके लिए लंबी और स्वस्थ आयु की कामना की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि राजन नाईक आगे भी जनता के हित में कार्य करते रहेंगे और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

किसान पाठशाला अभियान आज से

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। रबी अभियान के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति के लिए 13 दिसम्बर 2025 से 29 दिसम्बर 2025 तक ग्राम पंचायत स्तरीय रबी गोष्ठी/किसान पाठशाला अभियान चलेगा। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने बताया कि अभियान का रोस्टर जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र द्वारा जारी कर संबंधित अधिकारियों को प्रभावी तरीके से कार्यक्रम करने के निर्देश दिए गये है। उन्होंने बताया कि जनपद मे कुल 625 ग्राम पंचायतों में दो दिवसीय पाठशाला आयोजित होगी, जिनमे कृषि वैज्ञानिक, कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है, जो रोस्टर के अनुसार निर्धारित गांवो में दो दिनों तक कार्यक्रम करेगी, जो उन्नति तकनीकीयो एवं योजनाओं से जागरूक किया जाएगा ताकि किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर अपनी समृद्धि करते हुए कृषि का सतत विकास कर सकते है।

स्ट्रीक्स ने अपने नए कैंपेन के लिए जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर बनाया

पटना : हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट (एचआरआई) के भारत के अग्रणी हेयर कलर और केयर ब्रांड स्ट्रीक्स ने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर के लिए भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी एक ऊर्जावान नए कैंपेन मैं फास्ट, स्ट्रीक्स सुपरफास्टह्व के साथ लॉन्च की जा रही है, जो आत्मविश्वास, गति और सहज स्टाइल का जश्न मनाता है। जसप्रीत बुमराह अपनी स्पीड, उच्च प्रदर्शन और निरंतरता के लिए मशहूर स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर के स्पीड और गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन के वादे का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं।

डीएम ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जोकहिया का निरीक्षण

बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने आज विकास खंड बलरामपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जोकहिया का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड एवं ओपीडी का भ्रमण कर साफ-सफाई, रोगियों की संख्या, चिकित्सकीय सुविधा तथा उपचार प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

डीएम ने औषधि वितरण कक्ष में जाकर दवा स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन किया और निर्देशित किया कि समस्त आवश्यक दवाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें तथा मरीजों को दवाओं के वितरण में किसी प्रकार की कोई कमी न आए। उन्होंने टीकाकरण कक्ष और कोल्ड चेन रूम का भी निरीक्षण कर टीकों की सुरक्षित भंडारण व्यवस्था, तापमान नियंत्रण और रिकॉर्ड मेनटेनेंस की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित मरीजों से सीधे बातचीत की । उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में अस्पताल आने वाले मरीजों को असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हों।

निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में कार्यरत आशा बहुओं के साथ बैठक की और ग्रामस्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आशा स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे प्रमुख स्तंभ एवं महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, टीकाकरण, परिवार नियोजन सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डीएम ने आशा बहुओं के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनके बिना ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावी रूप से संचालित नहीं हो सकतीं। उन्होंने आशा बहुओं का मानदेय बढ़ाए जाने के निर्देश दिए तथा उनके कार्यों को और प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आशा बहु गांवों में नियमित भ्रमण करें, टीकाकरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी करें और किसी भी समस्या की सूचना समय से स्वास्थ्य विभाग को दें। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश रस्तोगी, संबंधित एमओआईसी व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

शिकायतकर्ता ही निकला आरोपी काशीगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा का प्रदर्शन। गत 08/12/2025 को, शिकायतकर्ता सुशांत दशरथ मोहिते, उम्र 36 वर्ष, पेशा निर्माण पर्यवेक्षक, निवास रन नंबर 511 भीम नगर वर्तकनगर कोकाटे चाल, गणपति मंदिर के पास, तहसील जिला ठाणे ने काशीगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि 08/12/2025 को दोपहर 1 बजे, के लगभग घोड़बंदर रोड, काजूपाड़ा से अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी चेनागांव सिग्नल के पास चेकपॉइंट पर खड़े खाकी वर्दी पहने दो पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता के वाहन को रोका और उससे वाहन के दस्तावेजों और लाइसेंस के बारे में पूछताछ की। शिकायतकर्ता द्वारा अपने वाहन के दस्तावेज और लाइसेंस दिखाने के बाद, दोनों पुलिसकर्मियों ने वाहन के ट्रंक की जांच की और पाया कि शिकायतकर्ता को उक्त राशि उसके कंपनी मालिक रामचंद्र सतरे ने कंपनी के साइट पर काम करने वाले श्रमिकों को देने के लिए दी थी। उसी समय, दोनों पुलिसकर्मियों ने 2000 रुपये की राशि निकाली। साथ ही गाड़ी की डिक्की से 2,23,000/- रुपये निकाले और कहा, चुनाव चल रहे हैं। ये रकम कहाँ से मिली और कहाँ देने जा रहे हो काशिमीरा पुलिस स्टेशन आकर इस मामले का स्पष्टीकरण दो। उस समय, शिकायतकर्ता ने दोनों पुलिसकर्मियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने शिकायतकर्ता को पीटा, रकम ली और वहाँ से चले गए। शिकायतकर्ता काशिगाँव पुलिस स्टेशन आया और बताया कि दोनों पुलिसकर्मी वहाँ से चले गए हैं। शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर, काशिगाँव पुलिस स्टेशन में दोनों भेष बदलकर आए पुलिसकर्मियों के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज किया गया, जी.आर. संख्या 559/2025, भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 115(2), 319 और 3(5) के तहत।

अपराध की प्रकृति गंभीर होने के कारण, वरिष्ठ अधिकारियों ने काशीगांव पुलिस स्टेशन को घटना की जांच करने, आरोपियों की तलाश करने और उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। अपराध की जांच के दौरान यह पता चला कि शिकायतकर्ता सुशांत मोहिते ने जिस निर्माण कंपनी में वह काम कर रहा था, उससे पैसे की हेराफेरी करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाकर अपराध को अंजाम दिया था। निर्माण मामले में आरोपियों के नाम हैं 1) सुशांत दशरथ मोहिते, उम्र 36 वर्ष, बिजनेस सुपरवाइजर, निवास कमरा संख्या 511 भामनगर वर्तकनगर, कोकाटे चाल, गणपति मंदिर के पास, तालुका ठाणे और उसका साथी 2) रानू उर्फ ओंकार अंकुश भडगे, उम्र 29 वर्ष, व्यवसायी, निवास 03 अप्पा इंडीज चाल, शास्त्र नगर, पोखरण रोड 01, जिला ठाणे। इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और अपराध के मामले में 2,23,000 रुपये और अपराध में इस्तेमाल किया गया वाहन जब्त कर लिया गया है। उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) अतिरिक्त प्रभार सर्किल 01, गणपत पिंगले, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड डिवीजन, राहुल कुमार पाटिल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, काशीगांव पुलिस स्टेशन, संजय पुजारी, पुलिस निरीक्षक (अपराध), अभिजीत लांडे, विजय साठे, पुलिस उप-निरीक्षक, अपराध पहचान शाखा, साथ ही अपराध पहचान शाखा के अनमलदार पो. हवा प्रताप पंचुडे, पो. हवा जयप्रकाश जाधव, पुलिस अनमलदार किरण विर्कर, विक्रांत खंडारे, उमंग चौधरी, प्रवीण तोबर, नामदेव देवकाटे और अभिषेक मदावी के मार्गदर्शन में किया गया है।

युवा एयरहोस्टेस को हथेलियों के अत्यधिक पसीने से मिली मुक्ति

मुंबई। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने एक युवा पूर्व एयरहोस्टेस का हाइपरहाइड्रोसिस (हथेलियों में अत्यधिक पसीना आने की समस्या) का सफल उपचार किया है। बायलैटरल थोराकोस्कोपिक सिम्पैथेक्टॉमी नामक यह सुरक्षित, मिनिमली इनवेसिव डे-केयर प्रक्रिया केवल एक घंटे में संपन्न हुई और परिणाम तुरंत दिखाई दिए। अनुमान है कि भारत में 2-5% लोग हाइपरहाइड्रोसिस से प्रभावित हैं, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण अधिकांश मरीज इसे सामान्य समस्या मानकर बिना उपचार के जीवन भर झेलते रहते हैं। यह स्थिति दैनिक गतिविधियों, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है।

मरीज को डॉ. विमेश राजपूत, कंसल्टेंट- थोरैसिस सर्जरी द्वारा बायलैटरल थोराकोस्कोपिक सिम्पैथेक्टोमी प्रक्रिया के माध्यम से उपचार प्रदान किया गया। इस प्रक्रिया में डॉ. सावी कपिला, कंसल्टेंट- एनेस्थेसियोलॉजी ने एनेस्थेसिया को बहुत अच्छी तरह मैनेज किया। VATS एक घंटे की एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जिसमें अत्यधिक पसीना उत्पन्न करने वाली सिम्पैथेटिक नर्व को नियंत्रित तरीके से अवरुद्ध किया जाता है। जसलोक हॉस्पिटल में थोरासिक सर्जन डॉ. विमेश राजपूत ने कहा, हाइपरहाइड्रोसिस कोई सामान्य असुविधा नहीं है—यह सामाजिक दूरी, चिंता और अवसाद का कारण बन सकती है। चिंता की बात यह है कि इसका सुरक्षित, प्रमाणित और प्रभावी उपचार उपलब्ध होने के बावजूद जागरूकता बेहद सीमित है। उन्होंने आगे कहा, यह मिनिमली इनवेसिव डे-केयर प्रक्रिया है। मरीज वर्षों की परेशानी लेकर आते हैं और उसी दिन बिना पसीने और बिना झिझक के घर लौटते हैं। नतीजे तुरंत, पूर्वानुमानित और लंबे समय तक टिकाऊ होते हैं। डॉ. राजपूत ने समय पर उपचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, कई मरीज अत्यधिक पसीने को अपनी नियति मान लेते हैं। समय के साथ यह आत्मविश्वास, समाजिक बातचीत और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि, समय पर सही इलाज से जीवन की गुणवत्ता और आत्मसम्मान दोनों वापस पाए जा सकते हैं।

रेल कर्मी ने ट्रेन से कटकर किया सुसाइड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक रेल कर्मी ने ट्रेन से कटकर सुसाइड कर लिया। शुक्रवार को सुबह डयूटी आया था। दोपहर में वाराणसी-जफराबाद रेल प्रखंड पर मालगाड़ी से कटकर जान दे दी। हादसे में उसका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। आसपास की सूचना पर रेलवे पुलिस पहुंचे।घटना स्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें कंचन ने लिखा है- मैं कंचन अपने ससुराल वाले के वजह से अपनी जान दे रहा हूं। मेरी पत्नी के मामा, उसके पापा और मौसा तीनों मुझे परेशान कर रहे थे। आज शाम को सभी ने मिलकर मुझे बहुत अधिक परेशान किया और 1,00,000 रुपये की मांग कर रहे थे। मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव रेलवे स्टेशन का है। लहंगपुर अटहनू गांव में कंचन यादव (27) पुत्र मोखई यादव के साथ रहते थे। कंचन यादव 2013 से रेलवे में गैंगमैन के पद पर कार्यरत था। उसने अपने पिता के स्थान पर नौकरी प्राप्त की थी। उसके पिता ने सेवा निवृत्ति से कुछ वर्ष पूर्व स्वैच्छिक अवकाश लेकर नौकरी अपने बेटे को दे दी थी। कंचन की शादी 2021 में मड़ियाहू क्षेत्र के दुहावर गांव में हुई थी। जिसकी ढाई साल की एक बच्ची भी है। शादी के कुछ समय बाद पत्नी और उसके ससुराल वाले पैसे के लिए परेशान करने लगे। लेकिन सब कुछ चलता रहा। 12 दिसंबर को घर से ड्युटी पर निकला था। दोपहर में ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर लिया। हादसे में उसका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। घटना स्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें कंचन ने लिखा है- मैं कंचन अपने ससुराल वाले के वजह से अपनी जान दे रहा हूं। मेरी पत्नी के मामा, उसके पापा और मौसा तीनों मुझे परेशान कर रहे थे। आज शाम को सभी ने मिलकर मुझे बहुत अधिक परेशान किया और 1,00,000 रुपये की मांग कर रहे थे। यह लेटर रेलकर्मी ने 11 दिसंबर को लिखा था।

चीन ने बनाया 170 फुटबॉल मैदानों के बराबर दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

नेशनल डेस्कः चोंगकिंग ईस्ट रेलवे स्टेशन अब दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन बन चुका है, जो आकार में 170 फुटबॉल मैदानों के बराबर फैला हुआ है। यह स्टेशन केवल विशालता का प्रतीक नहीं है, बल्कि आधुनिक डिजाइन, हाई-टेक सुविधाओं और यात्रियों की आरामदायक यात्रा का बेजोड़ मिश्रण पेश करता है। चीन ने इसे 1.22 मिलियन वर्ग मीटर में विकसित किया है, जो न्यूयॉर्क के ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल से पांच गुना बड़ा है। निर्माण 2022 में शुरू हुआ और 2025 तक पूरा हुआ, जिसमें लगभग 65,000 करोड़ रुपये खर्च हुए। रोजाना लगभग 3,84,000 यात्री इस स्टेशन से गुजरते हैं, जिससे इसकी वैश्विक महत्वाकांक्षा स्पष्ट दिखाई देती है। चोंगकिंग ईस्ट स्टेशन सिर्फ आकार में बड़ा नहीं, बल्कि यात्रियों को आधुनिक और सांस्कृतिक अनुभव भी प्रदान करता है। स्टेशन की वास्तुकला में स्थानीय संस्कृति झलकती है, जैसे हुआंग जुए-इंस्पायर्ड पिलर और कैमेलिया-स्टाइल एयर कंडीशनिंग यूनिट्स। छत में लगे ग्लास पैनल पूरे दिन प्राकृतिक रोशनी प्रदान करते हैं। तीन लेवल में फैले इस कॉम्प्लेक्स में 15 प्लेटफॉर्म और 29 रेलवे ट्रैक हैं, जिससे पीक आवर्स में भी यातायात सुचारू रहता है। स्टेशन में डिजिटल सूचना बोर्ड, मल्टी-लैंग्वेज हेल्प सिस्टम और हाई-स्पीड जैसी आधुनिक तकनीकें हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त सीटें, मोबाइल चार्जिंग स्टेशन, सुरक्षित लॉकर और व्हीलचेयर एक्सेसिबिलिटी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, मैकडॉनल्ड्स, ङ्क्रङ्ख जैसी अंतरराष्ट्रीय फूड चेन और स्थानीय चोंगकिंग व्यंजन भी उपलब्ध हैं। सुरक्षा के लिहाज से ऑन-ग्राउंड सुरक्षा और बायोमेट्रिक स्कैनिंग की व्यवस्था है। चोंगकिंग ईस्ट से 7 बड़ी हाई-स्पीड लाइनें जुड़ी हैं, जिससे यात्रा का समय काफी कम हुआ है। फुक्सिंग बुलेट ट्रेन में 350 km/h की रफ्तार से सफर किया जा सकता है, और खिड़की के बाहर शहर की भीड़ या पहाड़-नदी का नजारा देखने को मिलता है।

अमेरिका के बाद अब मैक्सिको ने भी बढ़ाया टैरिफ, भारत पर सीधा असर!

इंटरनेशनल डेस्क। दुनिया में एक बार फिर टैरिफ वॉर की आहट सुनाई दे रही है। अमेरिका के बाद अब मेक्सिको ने एक बड़ा कदम उठाते हुए चीन समेत कई एशियाई देशों से आने वाले सामानों पर 50% तक हाई टैरिफ लगाने का फैसला किया है। मेक्सिको की सीनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और ये नए टैरिफ अगले साल यानी 2026 से लागू होने वाले हैं। मेक्सिको के इस कदम से उन देशों को बड़ा झटका लगने वाला है, जिनके साथ उसका कोई मुक्त व्यापार समझौता नहीं है।

इन सभी देशों से आने वाले ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल , स्टील समेत अन्य सामानों पर अगले साल से मेक्सिको 50% तक टैरिफ वसूलेगा। सीनेट में पास किए गए प्रस्ताव के मुताबिक लगभग 1400 आयातित सामानों पर शुल्क लगाया जाएगा जिसमें कुछ सामानों पर टैरिफ को बढ़ाकर 35 फीसदी तक किया गया है। वित्तीय घाटा दूर करनाः विश्लेषकों और निजी क्षेत्र ने तर्क दिया है कि यह फैसला दरअसल संयुक्त राज्य अमेरिका को खुश करने और अगले वर्ष 3.76 अरब डॉलर का अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए लिया गया है क्योंकि मेक्सिको अपने राजकोषीय घाटे को दूर करने का प्रयास कर रहा है। मेक्सिको की सीनेट में इस टैरिफ बढ़ाने वाले विधेयक के पक्ष में 76 वोट पड़े जबकि विरोध में सिर्फ 5 वोट रहे जिससे इसका पारित होना सुनिश्चित हो गया। हालांकि व्यापार समूहों ने इस टैरिफ वृद्धि का जमकर विरोध भी किया है।